ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 302 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 मई 2026 शुक्रवार

# दोपहर मेट्रो
बेबाक खबर हर दोपहर

**आज का मौसम**
39.3 अधिकतम
25.8 न्यूनतम

Page-7

# दोपहर मेट्रो की दसवीं सालगिरह का आयोजन कल

दोपहर मेट्रो | 10 साल भरोसे के

निष्पक्ष पत्रकारिता और पाठकों के भरोसे के साथ 'दोपहर मेट्रो' समाचार पत्र का एक दशक का सफर पूरा हुआ है। खबरों के आगे की खबर और उनके पीछे छिपे तथ्यों के साथ सटीक विश्लेषण के प्रयास को पाठकों का भरपूर प्यार मिला। किसी भी नई शुरुआत के दस साल पूरे होना अपने आप में महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह पड़ाव स्मृतियों में रहे, इसी उद्देश्य के साथ कल 9 मई को दोपहर मेट्रो की दसवीं सालगिरह का आयोजन किया जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में शाम 7 बजे से आयोजित समारोह की अध्यक्षता विधानसभा के स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विश्वास सारंग सहित प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश का नाम देश-विदेश में रोशन करने वाली प्रमुख हस्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। इनमें प्रदेश के मशहूर पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री नारायण व्यास, वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, वरिष्ठ पत्रकार आलोक मेहता एवं एन के सिंह, रिटायर्ड कर्नल संजय त्रिपाठी, मशहूर सर्जन डॉ. इंद्रकुमार चुघ, लोकप्रिय गायिका आकृति मेहरा, प्रतिभाशाली अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ राजेश शर्मा शामिल हैं।

## टूटता सीजफायर... होर्मुज में 1500 जहाज और 20 हजार नाविक फंसे

# अमेरिका की ईरानी टैंकरों पर फिर बमबारी

# ट्रम्प बोले- डील नहीं की तो और हमले होंगे

**तेहरान/वाशिंगटन डीसी, एजेंसी**

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत और जल्द ही डील होने की खबरों के बीच अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं। अमेरिकी सेना ने आज को होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये कार्रवाई उन सैन्य सुविधाओं के खिलाफ की गई, जहां से अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल, ड्रोन और छोटी बोट्स के जरिए हमले किए



गए थे। एजेंसी सेंटकॉम के मुताबिक अमेरिकी युद्धपोत होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे थे, तभी उन पर उकसावे वाले हमले किए गए। अमेरिकी सेना ने सभी हमलों को इंटरसेप्ट करने के बाद जवाबी कार्रवाई में मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट्स, कमांड सेंटर और सर्विलांस सिस्टम को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना ने कहा कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहती, लेकिन अपने सैनिकों और सैन्य संसाधनों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, ईरानी सेना के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि अमेरिकी एयरस्ट्राइक में नागरिक इलाकों को भी निशाना बनाया गया। ईरान ने इसे संघर्षविराम की भावना के खिलाफ बताया।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी आईएमओ के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों के साथ लगभग 20 हजार नाविक भी फंसे हुए हैं। आईएमओ के मुताबिक, होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंसे हुए हैं। तेल, गैस और सप्लाई चेन पर असर बढ़ रहा है, जबकि सोमालिया जैसे देशों में खाद्य संकट और गहरा गया है।

### होर्मुज पर वीटो लगा सकते हैं रूस-चीन

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने से जुड़ा एक मसौदा प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लाया गया है। इस प्रस्ताव को परिषद के कई देशों का समर्थन मिलने की संभावना है। इस प्रस्ताव के मुख्य समर्थक अमेरिका और बहरीन हैं, जबकि खाड़ी सहयोग परिषद (त्रष्टष्ट) के देशों ने भी इसे सह-प्रायोजित किया है। हालांकि, इस प्रस्ताव के पास होने में सबसे बड़ी रुकावट रूस और चीन बन सकते हैं, क्योंकि दोनों देशों के पास वीटो पावर है। अल जजीरा के मुताबिक, रूस और चीन ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों से कहा है कि वे मौजूदा स्वरूप में इस प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। उनका कहना है कि इसमें ईरान पर संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया गया है, जबकि युद्ध शुरू करने के लिए अमेरिका और इजराइल को सीधे जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इस प्रस्ताव पर वोटिंग कब होगी, लेकिन यह अगले हफ्ते की शुरुआत में हो सकती है।

## ईरान का आरोप... नागरिक इलाकों को भी निशाना बनाया

### यूएस कोर्ट ने 10% टैरिफ को बताया अवैध

अमेरिकी ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की टैरिफ रणनीति को एक और झटका दिया है। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उनके हालिया 10 फीसदी अस्थायी वैश्विक शुल्क 1970 के दशक के एक व्यापार कानून के तहत गलत हैं, लेकिन इन शुल्कों पर रोक केवल दो निजी आयातकों और वाशिंगटन राज्य के लिए लगाई है। यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के 2-1 के फैसले का मतलब है कि ट्रम्प प्रशासन की किसी भी अपील पर सुनवाई पूरी होने तक ये अस्थायी शुल्क अन्य सभी आयातकों के लिए लागू रहेगा। इस पूरी जांच के जुलाई में खत्म होने की उम्मीद है। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ट्रम्प की तरफ से 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत लगाए गया ये टैरिफ गलत था।

दिल्ली-कोलकाता, समय : शाम 7.30 बजे

## न्यूज विंडो

### आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप का आदेश 22 तक टला

**नई दिल्ली।** राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश को 22 मई तक के लिए टाल दिया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने को आदेश सुनाना था, लेकिन अदालत ने फैसला स्थगित कर दिया। यह मामला आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का है, जिसकी जांच ईडी कर रही है।

### केदारनाथ: टेंट से मिली 2 एयर गन और एक धारदार हथियार

**रुद्रप्रयाग।** केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान एक टेंट में ठहरे व्यक्ति से दो एयर गन व धारदार हथियार बरामन किए गए हैं, उक्त व्यक्ति से पूछताछ चल रही है। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति सीआरपीएफ में पूर्व में तैनात था, लेकिन मानसिक अस्वस्थ होने पर सेवामुक्त कर दिया गया। उक्त मामले में पुलिस ने टेंट संचालन के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की है।

### लखीमपुर मामला: गवाहों की गैरहाजरी पर कोर्ट नाराज

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के चर्चित लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की सुनवाई में हो रही देरी पर आज नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि पिछले करीब दो महीनों से ट्रायल में किसी भी गवाह की गवाही नहीं हो सकी है, जबकि मामला बेहद संवेदनशील और गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से इस पर जवाब मांगा और ट्रायल कोर्ट को गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

## आज का कार्टून




## आईएसआई की साजिश नाकाम

# मंदिर, ढाबों और मिलिट्री कैंप पर हमले का प्लान, नौ गिरफ्तार

**नईदिल्ली. एजेंसी**

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक मॉड्यूल द्वारा दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबे और हरियाणा के सैन्य कैंप पर हमले की साजिश रचे जाने का खुलासा हुआ है। जांच से जुड़े सूत्रों ने आज यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत विभिन्न राज्यों से शाहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े नौ संदिग्ध ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच एजेंसियों को पता चला कि आरोपियों में से एक ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की रेकी की थी और परिसर की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजी थीं। मॉड्यूल की योजना मंदिर में तैनात पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को निशाना बनाने तथा फायरिंग कर दहशत फैलाने की थी।

## अमित शाह कोलकाता पहुंचे, विधायक दल की बैठक शुरू

# सीएम का एलान जल्द, एक महिला डिप्टी सीएम भी!

**कोलकाता, एजेंसी**

पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार के गठन को लेकर गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद शाह दक्षिणेश्वर काली मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। इसके बाद शाह नोवोटेल होटल के लिए रवाना हो गए।

होटल में दोपहर 2 बजे से भाजपा विधायक दल की बैठक शुरू हो गई है। शाह बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं । माना जा रहा है कि बैठक के बाद विधायक दल के नेता और नए मुख्यमंत्री का ऐलान किया जा सकता है। शाह को विधायक दल का नेता चुनने के लिए पार्ट्री ने सेंट्रल ऑब्जर्वर बनाया है। आज शाम तक मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर



लग सकती है। नई सरकार का शपथ ग्रहण 9 मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा। मुख्यमंत्री बनने की रेस में सुवेंदु अधिकारी सबसे आगे हैं। सुवेंदु ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। सुवेंदु नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, माणिकतला से विधायक तपस रॉय को विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने पर विचार हो रहा है। वहीं पार्टी महिला नेतृत्व को भी आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है और एक महिला विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने स्पष्ट किया कि फिलहाल सभी नाम चर्चा के स्तर पर हैं और अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच हाल में हुई समन्वय बैठकों में वैचारिक एकरूपता पर विशेष जोर दिया गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जिन नेताओं का लंबे समय से संघ परिवार से जुड़ाव रहा है, उन्हें सरकार और संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं।

# ओडिशा तट पर 'तारा' की परीक्षण उड़ान रही सफल

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वदेशी रूप से विकसित ग्लाइड वेपन सिस्टम 'टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन' (तारा) का पहला सफल परीक्षण उड़ान किया गया है। ओडिशा तट के पास किए गए इस परीक्षण को भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय वायुसेना ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की प्रिसिजन स्ट्राइक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तारा भारत का पहला स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम है, जिसे बिना दिशा-निर्देश वाले वारहेड को अत्यधिक सटीक निशाना साधने वाले प्रिसिजन गाइडेड हथियार में बदलने के लिए विकसित किया गया है। इस तकनीक के जरिए पारंपरिक और कम लागत वाले हथियारों की मारक क्षमता और सटीकता को कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

## भाजपा अध्यक्ष से मिले सीएम मोहन यादव

नईदिल्ली। आज नई दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी से सौजन्य भेंट की।

# हनी-ट्रैप और फिक्सिंग का खतरा आईपीएल के लिए दिशा-निर्देश जारी

**नईदिल्ली, एजेंसी**

आईपीएल 2026 का आधा से ज्यादा सीजन खत्म हो चुका है। इसी बीच टूर्नामेंट में कुछ ऐसी चीजें हुई है, जिससे बीसीसीआई की चिंता बढ़ गई है। ऐसे में बोर्ड ने फौरन खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक सात पेज की गाइडलाइन जारी की है, जिसमें कड़े नियम बनाए गए हैं। इसके अलावा बीसीसीआई की एंटी-करप्शन यूनिट टीम डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों की मौजूदगी और कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। बीसीसीआई ने जारी की नई गाइडलाइन चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। इससे गंभीर कानूनी आरोप और यौन दुराचार जैसे मामले सामने आ सकते हैं। टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता। मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है।

## मेट्रो एंकर

### विक्रम-1 रॉकेट को लॉन्च करने की तैयारी, इसरो की नौकरी छोड़कर शुरू की थी कंपनी

# आठ साल में देश की पहली स्पेसटेक यूनिकॉर्न बन गई स्काईरूट

**नईदिल्ली, एजेंसी**

हैदराबाद की स्टार्टअप कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस देश की पहली स्पेसटेक यूनिकॉर्न बन गई है। कंपनी विक्रम-1 रॉकेट को लॉन्च करने की तैयारी में है। यह भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट है। कंपनी का लक्ष्य रॉकेट लॉन्च सेगमेंट के फील्ड में जगह बनाना है लेकिन वह अंतरिक्ष यात्रा को सबसे लिए सस्ता बनाना चाहती है।

कंपनी ने 2022 में सब-ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-एस को पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। यह उपलब्धि एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स भी हासिल नहीं कर पाई थी। स्काईरूट की स्थापना 12 जून, 2018 को पवन कुमार चंदना और नाग भरत डाका ने की थी। कंपनी ने ताजा फंडिंग राउंड में 1.1 अरब डॉलर




की वैल्यूएशन पर करीब 60 मिलियन डॉलर (568 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस राउंड में कई मौजूदा और नए निवेशकों ने फंडिंग दी है। स्काईरूट की स्थापना 8 साल पहले हुई थी और यह कंपनी अगले महीने देश का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 अंतरिक्ष में भेजेगी। अमेरिका, यूरोप और साउथ ईस्ट एशिया के ग्राहकों ने कंपनी में दिलचस्पी दिखाई है। इस फंडिंग राउंड को मौजूदा निवेशकों शेरपालो वेंचर्स और जीआईसी ने लीड किया। साथ ही दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक, प्लेबुक पार्टनर्स और सन फार्मा के फाउंडर दिलीप सांघवी की निवेश कंपनी जैसे नए निवेशक भी फंडिंग की तैयारी में हैं। कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ पवन कुमार चांदना ने कहा कि इस पूंजी का उपयोग मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाने, मशीनरी में निवेश करने और फैसिलिटीज की टेस्टिंग में किया जाएगा। चांदना ने दावा किया कि अमेरिका, यूरोप और साउथ ईस्ट एशिया के ग्राहकों ने स्काईरूट में दिलचस्पी दिखाई है। कंपनी अगले साल से कमर्शियल ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी में है लेकिन उससे पहले दो से तीन रॉकेट टेस्ट करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी विक्रम-1 के लॉन्च को लेकर उत्साहित है जो भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट होगा।

### एलन मस्क हैं आदर्श

चांदना स्पेसएक्स के सीईओ और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क को अपना आदर्श मानते हैं। चंदना कहते हैं कि स्पेसएक्स उनके लिए प्रेरणास्त्रोत है। मस्क की कंपनी स्पेसएक्स रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली निजी कंपनी थी। स्पेसएक्स अब आईपीओ लाने की तैयारी में है जो दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा और मस्क को ट्रिलियनेयर बना देगा। चंदना भी देर-सबेर स्काईरूट को लिस्ट करा सकते हैं।

# भानपुर-विदिशा रोड पर अतिक्रमण से रोज लगता लंबा जाम

**भोपाल।** भोपाल के भानपुर-विदिशा रोड पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सड़क किनारे ठेले, दुकानों का फैलता सामान और अवैध पार्किंग के कारण मुख्य सड़कें दिन-ब-दिन संकरी होती जा रही हैं। हालत यह है कि सुबह और शाम के समय यहां रोज लंबा ट्रैफिक जाम लग रहा है, जिससे हजारों वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भानपुर-विदिशा रोड शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां से हर दिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन गुजरते हैं। लेकिन सड़क किनारे बढ़ते अतिक्रमण के कारण वाहनों की रफ्तार थम जाती है। कई बार तो जाम इतना बढ़ जाता है कि लोगों को कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में काफी समय लग जाता है। राहगीरों और व्यापारियों के अनुसार, सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहन और अस्थायी दुकानें दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा रही हैं। स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम और ट्रैफिक विभाग द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की बात तो कही जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं देता। कुछ समय के लिए अतिक्रमण हटाया जाता है, लेकिन फिर से सड़क पर कब्जा शुरू हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि भानपुर-विदिशा रोड पर स्थायी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए, अवैध पार्किंग पर सख्ती की जाए और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए नियमित निगरानी रखी जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

### एम्स में प्रशासनिक सुस्ती और तकनीकी बाधाओं के कारण सुविधाएं अधूरी

# करोड़ों का बजट, मशीनें है, पर 'तारीख' के इंतजार में 36 हजार कैंसर मरीज

## 30 करोड़ का रोबोटिक सिस्टम और 151 करोड़ का कैंसर ब्लॉक अब भी अधूरा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

स्वास्थ्य सुविधाओं का शिखर कहे जाने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (एम्स) में इन दिनों एक अजीब विरोधाभास है। यहां करोड़ों की लागत से आई विश्वस्तरीय मशीनें तो मौजूद हैं, लेकिन वे मरीजों की जान बचाने के बजाय धूल फांक रही हैं। एम्स भोपाल में कैंसर और जटिल सर्जरी के लिए करोड़ों रुपये की अत्याधुनिक मशीनें पहुंच चुकी हैं, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती और तकनीकी अड़चनों के कारण मरीज अब भी इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं। आलम यह है कि 2021-22 में शुरू हुए प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन 5 बार बदली जा चुकी है, जिससे मध्य प्रदेश के हजारों कैंसर मरीजों का भविष्य अधर में लटका है।

### मरीजों को नहीं मिल रही राहत

संस्थान में गामा नाइफ, पीईटी-सीटी और रोबोटिक सर्जरी यूनिट की स्थापना अंतिम चरण में होने के बावजूद इन सुविधाओं की शुरुआत बार-बार टल रही है। इन सुविधाओं से हर साल करीब 36 हजार कैंसर मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल मरीज निजी अस्पतालों में भारी खर्च उठाने या दिल्ली जैसे बड़े शहरों का रुख करने को मजबूर हैं।

### पांच बार बदली गई डेडलाइन

इन परियोजनाओं की शुरुआत 2021-22 में हुई थी, लेकिन अब तक डेडलाइन केवल कागजों में बदलती रही है। गामा नाइफ प्रोजेक्ट की समयसीमा पांच बार बदली जा चुकी है। पहले इसे 2024 तक शुरू होना था, लेकिन अब 2026 के अंत तक टाल दिया गया है। वहीं पीईटी-सीटी की डेडलाइन भी दो बार बढ़ाई जा चुकी है। दूसरी ओर रोबोटिक सर्जरी यूनिट में 2023 से प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद उपकरणों की खरीदी पूरी नहीं हो सकी है। देरी का सबसे बड़ा कारण परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से न्यूक्लियर सेफ्टी क्लीयरेंस न मिलना बताया जा रहा है। गामा नाइफ जैसे रेडियोसर्जरी उपकरण बिना अनुमति शुरू नहीं किए जा सकते। इसके अलावा मशीनों को संचालित करने के लिए सुपर-स्पेशलाइज्ड टेक्नीशियनों की कमी, डॉक्टरों की अधूरी ट्रेनिंग और विशेष बंकर व कूलिंग सिस्टम तैयार करने में देरी भी वजह बनी हुई है।

### मरीजों को क्या फायदा मिलता?

**गामा नाइफ-** बिना चीरा लगाए ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव होता और मरीजों को कम दर्द व जल्दी डिस्चार्ज मिलता।
**पीईटी/सीटी-** कैंसर की स्टेज और फैलाव की सटीक जांच एम्स में हो पाती, लेकिन मरीज निजी अस्पतालों में महंगी जांच कराने को मजबूर हैं।
**रोबोटिक सर्जरी-** जटिल ऑपरेशन अधिक सटीकता और कम जोखिम के साथ किए जा सकते थे, लेकिन रोबोट खरीद प्रक्रिया अब भी अधर में है।

### करोड़ों खर्च, सुविधाएं अधूरी

एम्स में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भारी बजट खर्च किया जा रहा है। नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सहयोग से 30 करोड़ रुपये की लागत वाला दा विंची रोबोटिक आर्म सिस्टम लगाया जा रहा है, जो यूरोलॉजी और जटिल सर्जरी में उपयोगी होगा। हालांकि स्पाइन सर्जरी के लिए 21 करोड़ रुपये का रोबोट कार्यरत है, लेकिन मुख्य रोबोटिक सेंटर अब भी टेंडर और तकनीकी सेटअप में उलझा हुआ है।

### कैंसर ब्लॉक भी पूरा नहीं बना

गामा नाइफ और पीईटी-सीटी मशीनों के लिए बनाए जा रहे सेंट्रलाइज्ड कैंसर ब्लॉक पर लगभग 151 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इसके बावजूद मरीजों को अभी तक इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

गामा नाइफ, पीईटी-सीटी और रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू करने के लिए प्रक्रिया तेजी से जारी है। डॉक्टरों और टेक्नीशियनों की ट्रेनिंग दी जा रही है। हमारी योजना है कि इस साल के अंत तक इन तीनों महत्वपूर्ण सुविधाओं को मरीजों के लिए शुरू कर दिया जाए।
**- डॉ. विकास गुप्ता**, अधीक्षक, एम्स भोपाल

# फूड आउटलेट के खाने में मिले कीड़े, खाद्य विभाग ने भेजा नोटिस

### सुधार के लिए दिया 14 दिन का अल्टीमेटम

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

शहर के सात नंबर बस स्टॉप पर स्थित सागर गैरे आउटलेट के भोजन में कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। तो वहीं शहर में 10 रुपये के मैंगो शेक और 20 रुपये की लस्सी में सिंथेटिक एसेंस सहित अन्य हानिकारक पदार्थ मिलने की शिकायतें कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को मिली हैं। इस पर उन्होंने खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम को दोनों जगह जांच कर नमूने लेने के निर्देश दिए थे। इसके बाद टीमों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और करीब 24 से अधिक नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं।

जानकारी के अनुसार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को सात नंबर बस स्टाप स्थित सागर गैरे आउटलेट के भोजन में कीड़े पाए जाने की शिकायत मिली थी। इसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। जहां खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता व्यवस्था में अनियमितताएं पाई गईं। स्वच्छता मानकों का उल्लंघन और खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी पाए जाने पर,संस्थान के संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया गया है। साथ ही गुणवत्ता की जांच के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले नोटिस के माध्यम से संचालक को 14 दिवस की समयावधि के भीतर परिसर की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों में सुधार करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में सुधार न होने की स्थिति में प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित/निरस्त करने की चेतावनी भी दी गई है। इन प्रतिष्ठानों से लिए जूस व लस्सी के नमूनेजिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायतें मिल रही थी कि विक्रेताओं द्वारा मैंगो शेक व अन्य जूस में हानिकारक कृत्रिम रंग, सिंथेटिक एसेंस, थिकनर और भारी मात्रा में सैकरीन का उपयोग किया जा रहा है। यह स्वास्थ्य के लिए घातक है।

### टीम ने कई खाने की चीजों के लिए नमूने

इससे टीम ने गुरुवार को अशोकागार्डन के न्यू फेमस एंड रेस्टोरेंट से मैंगो जूस, लस्सी, मैदा, गुलाब जामुन व मठरी के नमूने लिए हैं। इसके अलावा बरखेड़ी बांबे जूस कार्नर, एमपीनगर घमंडी लस्सी,इंद्रपुरी आदर्श जूस सेंटर,बुधवारा बांबे जूस सेंटर, रंगमहल चौराहा आगरा समोसा कार्नर,इब्राहिमपुरा फेमस जूस कार्नर, पीरगेट कृष्णा लस्सी कार्नर, घोड़ानक्कास गुजरात कोल्डड्रिंक एंड जूस सेंटर से नकली एसेंस और रसायनों का संदेह पर करीब 24 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

# गर्मी में बापू के भक्त कर रहे शीतल शरबत सेवा

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

युवा सेवा संघ एवं महिला उत्थान मण्डल के सामूहिक तत्वावधान में लालघाटी चौराहे पर हजारों राहगीरों एवं मजदूरों को तप्ति धूप में शीतल पलाश शरबत एवं पुलाव का वितरण किया। बापू के अनुयायी हरीश मेहरचंदानी ने बताया कि संत श्री आशारामजी बापू के भक्तों द्वारा लोक सेवा के विभिन्न प्रकल्प चलाए गए हैं , इसमें हर साल गर्मी के मौसम में भोपाल के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर शीतल शर्बत वितरण सेवा का अभियान चलाया जाता हैं। बापूजी की समाजोत्थान की सेवा के लिए भक्तों को हमेशा प्रेरित करते हैं। भक्तों द्वारा निरंतर नर सेवा,-नारायण सेवा÷ का अभियान पूरे भोपाल में जारी है। इस मौके पर मुख्य सेवादार रितेश राजदेव,ओम थरानी, रवि पाटिल, विक्की पारवानी, रोहित शर्मा, दीपक नागर, नरेश तीर्थानि एवं महिला उत्थान मंडल के प्रभारी राधा वाधवानी, कृष्णा मालानी, दया तीर्थानि व लालघाटी क्षेत्र के मुख्य सदस्य सेवा में उपस्थित थे।

### आरपीएफ महानिदेशक ने किया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

# सुरक्षा में मिली कई खामियां, सुधार के दिए निर्देश

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

उज्जैन में 2028 में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ मेला की तैयारियों को लेकर भले ही पश्चिम रेलवे मंडल ने तैयारियां शुरू करने का दावा कर रही है, लेकिन आरपीएफ महानिदेशक सोनाली मिश्रा को भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक की तरफ परिसर में निरीक्षण में सुरक्षा की भारी खामियां देखने को मिली।

मिश्रा ने इस अव्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए इन खामियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे अधिकारियों और आरपीएफ से कहा कि मेले में भले ही समय है, लेकिन अभी से भोपाल समेत सभी स्टेशनों पर सुरक्षा को सर्वोपरि और पहली प्राथमिकता में रखे। उन्होंने कहा कि उनके अगले दौरे से पहले ये सब व्यवस्थित दिखना चाहिए।

डीजी मिश्रा को भोपाल स्टेशन परिसर में ही कई खामियां देखने मिली। जैसे असामाजिक तत्व, भिखारियों का प्रवेश, स्टेशन के प्रवेश द्वार पर बेतरतीब खड़े ऑटो- मिनी रिक्शा, अव्यवस्थित ऑटो स्टेंड और वाहन पार्किंग देख उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों के साथ नर्मदा क्लब में सुरक्षा एवं डीआरएम कार्यालय सभागृह में उच्चस्तरीय बैठक ली। इसमें सिंहस्थ मेले के दौरान संभावित भारी यात्री आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था, सुविधाओं तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन को लेकर चर्चा की और सुझाव भी मांगे। बैठक में डीआरएम पंकज त्यागी समेत मंडल के सुरक्षा और आरपीएफ-जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

# आज सेवासदन ट्रस्ट दृष्टि मित्रों का करेगा सम्मान

**संतनगर.** सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट की स्थापना के 40 वर्ष पूर्ण होने पर आज भजन क्लबिंग समारोह आयोजित किया जाएगा। संध्या छह से रात्रि 8:30 बजे तक रखा गया है, जिसमें मोहित शेवानी अपनी हृदय बैंड के साथ भजनों को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम एयरपोर्ट रोड पर नवनिर्मित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय परिसर में होगा। बता दे सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय अब एयरपोर्ट रोड पर अपने नये भवन में शिफ्ट हो गया है। इस भवन को बनवाने में हांगकांग के दानदाता कान.एच. लखानी ने आर्थिक सहयोग दिया। लखानी इन दिनों अपने परिवार के साथ भोपाल आये हुए हैं। उनके सहयोग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और दृष्टि मित्रों के सम्मान में उसी दिन संध्या में भजन क्लबिंग कार्यक्रम रखा गया है।

**नवाचार**

### शहर के 39 थाना क्षेत्रों में जनता के बीच 'सृजन संवाद कार्यक्रम' आयोजित

# पुलिस कमिश्नर ने 80 दिन में 70 स्थानों पर किया जनसंवाद

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

राजधानी में पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने सीधे जनता के बीच पहुंचकर संवाद करके एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने पिछले 80 दिनों के भीतर 39 अलग-अलग थाना क्षेत्रों में भ्रमण करके 70 स्थानों पर जनता से संवाद किया। यह अब तक किसी पुलिस कमिश्नर की तरफ से किया गया पहला नवाचार हैं जो पुलिस मुख्यालय में चर्चा का विषय बन गया है।

पुलिस कमिश्नर से सुनियोजित तरीके से जनसंवाद कार्यक्रम को सृजन संवाद नाम देते हुए गरीब बस्ती को पहले फोकस किया। इस संवाद के दौरान पुलिस कमिश्नर ने अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय अशासकीय संस्थाओं से जुड़कर समस्याओं को चिन्हित करने का भी काम किया। इसके अलावा पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने युवाओं के बीच पहुंचकर सामुदायिक पुलिसिंग, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, कैरियर मार्गदर्शन, जेंडर आधारित भेदभाव, बाल संरक्षण, सामाजिक न्याय एवं बच्चों के पुनर्वास जैसे विभिन्न संवेदनशील विषयों पर गंभीरता बरतने को लेकर मुहिम चलाई। 'सृजन संवाद' का मुख्य उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना एवं युवाओं को अपराध एवं नशे से दूर रखते हुए मुख्यधारा से जोड़ना है। भोपाल पुलिस कमिश्नर ने इसकी शुरुआत 14 फरवरी से शुरु की थी। उन्होंने 05 मई को आखिरी बार संवाद किया। संवाद के जरिए ही ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग, पुलिस गश्त, सीसीटीवी निगरानी, रात्रि सुरक्षा, नशा कारोबार, अवैध हथियारों की गतिविधियों एवं सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रमुख रूप से उन्हें सीधे जनता से पता चली। जिस कारण उन्होंने कई बदलाव जमीनी स्तर पर इस दौरान किए हैं। इस कारण जनता से सीधा संवाद करके पुलिस विभाग की छवि को सुधारने में यह नवाचार काफी चर्चित हो चुका है।

# काली पट्टी बांध कर्मियों ने की मांग

**भोपाल।** भेल कारखाने में इंसेंटिव रिवीजन की मांग को लेकर सीटू यूनियन का चरणबद्ध आंदोलन चौथे दिन भी जारी है। यूनियन पदाधिकारी गुरुवार को भेल के 2 नंबर ब्लॉकों में जाकर कर्मचारियों से संपर्क कर उन्हें काला बैच लगाकर विरोध दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। यूनियन के कार्यकारी महामंत्री दीपक गुप्ता ने कहा कि यदि भेल प्रबंधन जल्द ही इंसेंटिव रिवीजन को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाता है, तो यूनियन आंदोलन को और तेज करते हुए उग्र रूप देने के लिए बाध्य होगी।

### मुख्यमंत्री ने 200 बेटियों के सामूहिक विवाह सम्मेलन को किया वर्चुअली संबोधित

# समाज के समृद्ध लोग सामूहिक विवाह सम्मेलनों में विवाह का करें ट्रेंड सेट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति में विवाह जन्म-जन्मांतर का पवित्र बंधन है। गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर रहे वर-वधुओं के लिए आने वाला समय कई जिम्मेदारियां लेकर आता है। सभी परिवारों के लिए विवाह का आयोजन आनंद और उत्सव का वातावरण निर्मित करता है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में एक ही मंडप में समाज के विभिन्न वर्गों के बेटे-बेटी वैवाहिक बंधन में बंधते हैं, सामूहिक चेतना का यह उत्सव फिजूल खर्ची और दिखावे पर रोक का संदेश देता है। सरकार और समाज ने जब से सामूहिक विवाह का बीड़ा उठाया है तब से गरीब माता-पिता ने चैन की सांस ली है। समाज के समृद्ध लोग सादगी को अपने व्यवहार में उतारे और सामूहिक विवाह सम्मेलनों में विवाह का ट्रेंड सेट करें। इससे समाज का हर वर्ग विवाह

के अनावश्यक खर्च से बचेगा और उपलब्ध संसाधनों का परिवार के भविष्य निर्माण में उपयोग किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उन्होंने स्वयं भी अपने पुत्र का विवाह सामूहिक सम्मेलन में ही किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों की शिक्षा की चिंता करना और उसके लिए पर्याप्त प्रबंध करना, हर माता-पिता का दायित्व हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित 200 बेटियों के सामूहिक विवाह सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान कर उनके परिजन को शुभकामनाएं दीं।

## सामूहिक विवाहों के आयोजन से माता-पिता को नहीं लेना पड़ रहा है कर्ज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि दिसंबर 2023 से अप्रैल 2026 तक 1 लाख 70 हजार 187 बेटियों के विवाह मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत कराये गए है। योजना अंतर्गत अब तक लगभग 1000 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से आर्थिक रूप से कमजोर भाई-बहनों की बेटियां भी पूरे सम्मान के साथ विदा होती हैं। समाज का कोई भी वर्ग हो, बच्चों का विवाह हर माता-पिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। सामूहिक विवाहों के आयोजन से अब विवाह के लिए माता-पिता को कर्ज नहीं लेना पड़ रहा है। समाज और सरकार एक-दूसरे के पूरक हैं। परिवर्तन के लिए समाज और सरकार दोनों का हाथ मिलाकर चलना जरूरी है। सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजन वर्तमान समय में समाज सेवा का सर्वोत्तम माध्यम बन चुके हैं। सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित कार्यक्रम में विधायक आष्टा श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, अध्यक्ष जनपद पंचायत आष्टा श्रीमती दीक्षा सोनू गुणवान, जनप्रतिनिधि सहित वर-वधु और उनके परिजन उपस्थित थे।

### जिलों में इन्फ्लूएंसर्स पर नजर रखेगी पार्टी ,खंडेलवाल बोले:फेक न्यूज को रोकें

# एमपी में चुनावी मोड पर काम करेंगे संभागीय मीडिया सेंटर

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

भारतीय जनता पार्टी ने मध्यप्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद अब संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव शुरू कर दिया है। आगामी नगरीय निकाय चुनाव और भविष्य की राजनीतिक तैयारियों को देखते हुए पार्टी ने अपने मीडिया विभाग का पूरी तरह पुनर्गठन किया है। प्रदेश कार्यालय में हुई पहली कामकाजी बैठक में तय किया गया कि अब संभाग स्तर पर बनाए गए मीडिया सेंटर केवल चुनावी समय में नहीं, बल्कि पूरे साल वॉर रूम की तरह सक्रिय रहेंगे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह मौजूद रहे। पार्टी ने मीडिया संचालन के लिए प्रोफेशनल और कॉर्पोरेट मॉडल लागू करने का फैसला लिया है। इस नए सिस्टम में प्रवक्ताओं की मनमर्जी पर लगाम कसते हुए सख्त अनुशासन लागू किया गया है।

अब बिना अनुमति बाइट नहीं

बीजेपी ने अपने प्रवक्ताओं के लिए सख्त रोस्टर सिस्टम

लागू किया है। अब कोई भी प्रवक्ता अपनी मर्जी से मीडिया के सामने पार्टी का पक्ष नहीं रख सकेगा। प्रवक्ता कक्ष में बाइट देने के लिए दिनवार ड्यूटी तय की जाएगी और जिस दिन जिसकी जिम्मेदारी होगी, केवल वही मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत रहेगा। नई व्यवस्था के तहत प्रवक्ताओं को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यालय में मौजूद रहना होगा। बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर जवाब-तलब भी किया जा सकता है।

## सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पर भी नजर

बीजेपी ने जिला स्तर की मीडिया टीमों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की लगातार मॉनिटरिंग करें। पार्टी की रणनीति के मुताबिक जो इन्फ्लुएंसर्स सकारात्मक और सरकार समर्थक कंटेंट बनाएंगे, उन्हें संगठन की विचारधारा से जोड़कर ब्रांड एम्बेसडर की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं, जो इन्फ्लुएंसर्स कथित तौर पर तथ्यहीन या सनसनीखेज कंटेंट के जरिए सरकार की छवि प्रभावित करने की कोशिश करेंगे, उनके दावों का तुरंत तथ्यात्मक जवाब तैयार कराया जाएगा।

## अरविन्द कुमार दुबे ने संचालक जनसम्पर्क का कार्यभार ग्रहण किया

**भोपाल।** अपर सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अरविन्द कुमार दुबे ने संचालक जनसम्पर्क के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। आयुक्त जनसम्पर्क मनीष सिंह और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। आयुक्त श्री सिंह ने विभागीय गतिविधियों और प्राथमिकताओं की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रभारी अपर संचालक जी.एस. वाधवा, संजय जैन सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

### बीजेपी विधायक पर लगाए थे महिला उत्पीड़न के आरोप

# महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को दस करोड़ की मानहानि का नोटिस

**भोपाल।** रतलाम जिले की आलोट से बीजेपी विधायक डॉ चिंतामणि मालवीय ने मप्र महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया को मानहानि का नोटिस भेजा है। विधायक ने अपने वकील के माध्यम से रीना बोरासी को 10 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस दिया है। रीना बोरासी द्वारा मीडिया में दिए गए उन बयानों को लेकर यह नोटिस भेजा गया है जिनमें बोरासी ने विधायक पर यौन शोषण और अवैध कब्जे जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। विधायक ने एक स्थानीय चैनल को भी लीगल नोटिस भेजा है। रीना बोरासी ने कुछ दिन पहले राज्यपाल मंगुभाई पटेल से लोकभवन भोपाल में मुलाकात के बाद मीडिया को बयान दिया था। जिसमें उन्होंने विधायक पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने एक महिला को लेकर कहा था कि उस महिला ने मुझे एफिडेविट के साथ सुबूत दिए हैं। वही राज्यपाल को देने आई हूं। मप्र का एक नेता, विधायक और पूर्व सांसद इस तरह से महिलाओं पर अत्याचार करेगा। उनका योन शोषण करेगा, उसके घर और पैतृक जमीन पर कब्जा करेगा। अपने 25-30 गुंडों को भिजवाकर यशटर तोड़े, 70 साल की महिला पर अत्यावार किया। मेरी सरकार और राज्यपाल से मांग है कि संबंधित की विधायकीर रद्द की जाए।

### चुनावी रंजिश का आरोप

नोटिस में विधायक की ओर से कहा गया है कि वे एक उच्च शिक्षित जनप्रतिनिधि हैं और समाज में उनकी प्रतिष्ठा है। रीना बोरासी ने बिना किसी ठोस प्रमाण के केवल चुनावी रंजिश और राजनीतिक द्वेष के चलते उनकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से ये झूठे आरोप लगाए हैं।

# जनादेश बनाम संवैधानिक प्रक्रिया

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की पारंपरिक द्रविड़ राजनीति को हिलाकर रख दिया है। अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की नई पार्टी, तमिलगा वेट्ट्री कज़गम, 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, जो एक ऐतिहासिक डेब्यू है। हालांकि, इस शानदार सफलता के बावजूद, टीवीके प्रमुख विजय और राज्यपाल आर.एन. रवि के बीच सरकार गठन को लेकर चल रही खींचतान ने एक संवैधानिक और राजनीतिक गतिरोध पैदा कर दिया है। राज्यपाल ने विजय के सरकार बनाने के दावे को यह कहकर खारिज कर दिया कि वे 234 सदस्यीय विधानसभा में 118 के जादुई आंकड़े (बहुमत) से पीछे हैं। 108 सीटों के साथ, कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन के बाद भी टीवीके का आंकड़ा 113 तक ही पहुंच पाया है, जो बहुमत के लिए आवश्यक संख्या से 5 कम है। राज्यपाल की ओर से यह मांग उचित लग सकती है कि जब तक कोई स्पष्ट बहुमत न हो, तब तक सरकार बनाने का आमंत्रण नहीं दिया जा सकता।

दूसरी ओर, टीवीके का तर्क है कि वे सबसे बड़ी पार्टी हैं और राज्यपाल को उन्हें सरकार बनाने का मौका देना चाहिए ताकि वे सदन के पटल पर बहुमत साबित कर सकें, न कि राजभवन में। तमिलनाडु की जनता ने बदलाव के लिए वोट किया है, और एक बड़ी पार्टी को सरकार बनाने से रोकना, लोकतांत्रिक जनादेश के विरुद्ध माना जा सकता है। लेफ्ट पार्टियों ने भी राज्यपाल की भूमिका पर सवाल उठाते हुए इसे अलोकतांत्रिक बताया है। राज्यपाल को संविधान के दायरे में रहते हुए, सबसे बड़े दल को सरकार बनाने का मौका देने और सदन के पटल पर 'बहुमत परीक्षण' की परंपरा का पालन करने के बीच संतुलन बनाना होगा। तमिलनाडु में यह गतिरोध न केवल विजय के लिए, बल्कि राज्य में उभरती नई राजनीतिक शक्ति के लिए भी एक बड़ी परीक्षा है। लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए, जनता के फैसले को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विशेष

# संकट की घड़ी में जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है।

8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतरराष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया।

वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# जैव विविधता के लिए सतत कृषि की आवश्यकता, महिलाओं की अहम् भूमिका

संजय गोस्वामी
स्तंभकार

सतत् कृषि का तात्पर्य कृषि और खाद्य उत्पादन के लिये एक समग्र दृष्टिकोण से है जिसका उद्देश्य कृषि प्रणालियों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करते हुए तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिये प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करते हुए भोजन एवं फाइबर की वर्तमान ज़रूरतों को पूरा करना है। इसमें फसल प्रतिरूप, जैविक खेती, सामुदायिक सहायक कृषि आदि जैसी विभिन्न प्रथाओं और सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो पर्यावरणीय प्रबंधन, आर्थिक लाभप्रदता तथा सामाजिक समानता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ऐसी प्रथाएँ जो पारिस्थितिक तंत्र, मृदा, जल और जैवविविधता पर प्रभाव को कम करती हैं। इसमें ऐसी पद्धतियों का प्रयोग करना शामिल है जो मृदा-अपरदन को कम करते हैं, जल का संरक्षण करते हैं और रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के प्रयोग से बचते हैं या कम करते हैं। मृदा की उर्वरता और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिये फसल चक्र, कवर क्रॉपिंग और कृषि-वानिकी जैसी तकनीकों को नियोजित किया जाता है। यह सुनिश्चित करना कि कृषि पद्धतियाँ किसानों के लिये आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों, जिससे वे अपनी आजीविका बनाए रखते हुए उचित आय अर्जित कर सकें। इसमें ऐसी रणनीतियाँ शामिल हैं जो उत्पादकता बढ़ाती हैं, उत्पादन लागत कम करती हैं और स्थायी रूप से उत्पादित वस्तुओं के लिये बाज़ार खोलती हैं। सामाजिक समता: किसानों, उपभोक्ताओं और खाद्य प्रणाली में अन्य हितधारकों के बीच निष्पक्ष एवं न्यायसंगत संबंधों को बढ़ावा देना। इसमें खेतिहर मज़दूरों के लिये उचित वेतन और काम करने की स्थिति सुनिश्चित करना, ग्रामीण समुदायों का समर्थन करना एवं सभी के लिये स्वस्थ व पौष्टिक भोजन तक पहुँच को बढ़ावा देना शामिल है।

जलवायु परिवर्तन के प्रति समुत्थानशीलता: ऐसी कृषि प्रणालियों का निर्माण करना जो जलवायु परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के प्रति समुत्थानशील हों। सतत् कृषि पद्धतियों का लक्ष्य बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल ढलना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और समग्र जलवायु समुत्थानशक्ति में योगदान करना है। फसलों और पशुओं में विविध पारिस्थितिक तंत्र तथा आनुवंशिक विविधता का समर्थन करना, कीटों, बीमारियों और पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति समुत्थानशीलता के लिये जैवविविधता को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। इसमें स्थानीय और स्वदेशी फसल किस्मों को संरक्षित करना, साथ ही वन्यजीवों व परागणकों का समर्थन करने वाले विविध परिदृश्यों को बढ़ावा देना शामिल है। भारत में सतत् कृषि की सीमाएँ क्या हैं? उच्च श्रम मांग: सतत् कृषि के लिये प्रायः पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसमें फसल चक्र, अंतर-फसल, जैविक उर्वरक और कीट प्रबंधन जैसी प्रथाएँ शामिल होती हैं। इससे उत्पादन लागत बढ़ सकती है और किसानों की लाभप्रदता कम हो सकती है। समय की खपत: सतत् कृषि के कार्यान्वन में और उपज प्राप्त करने में पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक समय लगता है क्योंकि यह प्राकृतिक प्रक्रियाओं तथा क्रमिक प्रगति पर निर्भर करती है। यह उन किसानों को हतोत्साहित कर सकता है जिन्हें तत्काल उपज की आवश्यकता होती है तथा उन्हें मौसम, बाज़ार एवं नीति परिवर्तन जैसी अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। सीमित उत्पादन क्षमता: सतत् कृषि भारत में खाद्यान्न की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकती है क्योंकि विशेषकर अल्पावधि में इसमें पारंपरिक कृषि की तुलना में कम पैदावार होती है। यह विशेषकर एक बड़े तथा बढ़ती आबादी वाले देश में खाद्य सुरक्षा तथा गरीबी उन्मूलन के लिये एक चुनौती उत्पन्न कर सकता है।

हाल ही में श्रीलंकाई संकट जैविक कृषि की ओर स्थानांतरित करने के प्रयास के कारण उत्पन्न हुआ था। इसके परिणामस्वरूप चावल, जो कि श्रीलंका का प्रमुख आहार है, की औसत पैदावार में लगभग 30% की कमी देखी गई। उच्च पूंजी लागत: सतत् कृषि के लिये बुनियादी ढाँचे, उपकरण व इनपुट जैसे सिंचाई प्रणाली, सूक्ष्म सिंचाई उपकरण, जैविक उर्वरक एवं बीज में उच्च निवेश की आवश्यकता हो सकती है। यह उन छोटे तथा सीमांत किसानों के लिये एक बाधा हो सकता है जिनके पास ऋण तथा सब्सिडी तक पहुँच नहीं है। भंडारण और विपणन चुनौतियाँ: भारत में सतत् कृषि को भंडारण तथा विपणन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि यह खराब होने वाले तथा विविध उत्पादों का उत्पादन करती है जिनके लिये उचित प्रबंधन एवं पैकेजिंग की आवश्यकता होती है। इससे फसल कटाई के बाद का नुकसान बढ़ सकता है तथा उपज की विपणन क्षमता कम हो सकती है, विशेष रूप से पर्याप्त प्रामाणीकरण एवं लेबलिंग प्रणालियों के अभाव में जो गुणवत्ता व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती हैं। सतत् कृषि पर राष्ट्रीय मिशन परंपरागत कृषि विकास योजना कृषि वानिकी पर उप-मिशन राष्ट्रीय कृषि विकास योजना उत्तर पूर्वी क्षेत्र हेतु मिशन जैविक मूल्य शृंखला विकास किसानों को प्रत्यक्ष भुगतान, जैविक आदानों के लिये सब्सिडी और फसल बीमा जैसी स्थायी प्रथाओं को अपनाने हेतु वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना, सतत् कृषि प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं के अनुसंधान तथा विकास में निवेश करना, किसानों को टिकाऊ कृषि पर प्रशिक्षण और जानकारी प्रदान करने के लिये कृषि विस्तार सेवाओं को मज़बूत करना, बेहतर बुनियादी ढाँचे, विपणन सहायता और उपभोक्ता जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थायी रूप से उत्पादित भोजन के लिये बाज़ार पहुँच में सुधार करना, भूमि समेकन कार्यक्रमों के माध्यम से भूमि विखंडन को संबोधित करना और संयुक्त कृषि पहल को बढ़ावा देना, पर्यावरण नियमों और उनके कार्यान्वयन को मज़बूत करना, भूमि स्वामित्व अधिकार, ऋण और संसाधनों तक पहुँच तथा निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी के माध्यम से कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाना है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

हेल्थ अलर्ट

# खतरनाक हो सकती है डायबिटिक न्यूरोपैथी, शुगर के मरीजों के लिए सावधानी जरूरी

**डायबिटीज** दुनियाभर में एक गंभीर रोग बनता जा रहा है। यह अपने साथ कई हेल्थ प्रॉब्लम्स लेकर आता है, जिसमें एक है डायबिटिक न्यूरोपैथी। यह रोग इतना गंभीर है कि अगर इसका इलाज समय पर न किया गया तो कई बार रोगी का चलना-फिरना तक बंद हो सकता है। डायबिटीज के कई रोगियों को इसकी जानकारी नहीं होती। डायबिटिक न्यूरोपैथी एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लंबे समय तक बढ़ा हुआ ब्लड शुगर नसों को नुकसान पहुंचाता है। हमारे शरीर में नसें संदेश पहुंचाने का काम करती हैं जैसे दर्द, गर्मी, ठंड या स्पर्श का एहसास। जब ब्लड में ग्लूकोज की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो यह नसों के साथ प्रतिक्रिया करके उन्हें धीरे-धीरे कमजोर और डैमेज कर देती है।

इस स्थिति में रोगी खासतौर पर पैरों, टांगों, हाथों और बाहों में झुनझुनी, जलन, सुन्नता या दर्द महसूस हो सकता है। कुछ लोगों में यह समस्या पाचन तंत्र, दिल की धड़कन और अन्य शारीरिक क्रियाओं को भी प्रभावित कर सकती है।

डायबिटिक न्यूरोपैथी का मुख्य कारण लंबे समय तक हाई ब्लड शुगर का स्तर है। नसों को सही तरीके से काम करने के लिए ऑक्सीजन और पोषण की जरूरत होती है, जो छोटी रक्त वाहिकाओं के माध्यम से मिलता है। जब शुगर का स्तर लगातार ज्यादा रहता है, तो ये केशिकाएं खराब हो जाती हैं और नसों तक पर्याप्त पोषण नहीं पहुंच पाता। डायबिटीज के रोगी की नसें अचानक डैमेज नहीं होतीं, यह स्थिति धीरे-धीरे बढ़ती है। कई बार शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। जब केशिकाएं (कैपिलरी) खराब हो जाती हैं, तो नसों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे नसें कमजोर होने लगती हैं। लंबे समय तक हाई शुगर रहने से शरीर में हानिकारक केमिकल बनने लगते हैं, जो नसों को नुकसान पहुंचाते हैं।

डायबिटिक न्यूरोपैथी से पूरी तरह बचना हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन इसे रोका या धीमा जरूर किया जा सकता है। ब्लड शुगर की नियमित जांच करें और उचित दवाइयों तथा इंसुलिन का सेवन करें। डायबिटीज के रोगी के लिए समय-समय पर ब्लड शुगर, HbA1c और पैरों की जांच करवाना जरूरी है। इससे समस्या को शुरुआती स्टेज में ही पकड़ा जा सकता है। ऐसा भोजन करें जिसमें फाइबर, साबुत अनाज, हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन और हेल्दी फैट हों। ज्यादा मीठे, तले हुए और प्रोसेस्ड फूड खाने से बचें। हर दिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग या साइकिल चलाना बहुत फायदेमंद होता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और शुगर कंट्रोल में रहता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी में पैरों की देखभाल बहुत जरूरी है, क्योंकि सबसे पहले असर अक्सर पैरों पर ही दिखाई देता है। ये आदतें नसों को सुरक्षित रखने में मदद करती हैं और पैरों की समस्याओं का खतरा कम करती हैं।

## सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो, जो चाहोगे वहीं पाओगे।

-अज्ञात

गैजेट्स ऑनलाइन

# फ्लिपकार्ट पर इस वीकेंड सस्ते स्मार्टफोन का मेला आईफोन, मोटोरोला और पिक्सल पर अच्छी डील

**9 मई** से फ्लिपकार्ट पर सासा सेल शुरू होने वाली है। इस सेल में आईफोन 16 को 36,999 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, मोटोरोला edge 60 Fusion सेल में 19,999 रुपये का मिलेगा। इसके अलावा, गूगल पिक्सल फोन पर भी तगड़ा ऑफर दिया जाएगा। इस सेल में आईफोन से लेकर सैमसंग, मोटोरोला, ओप्पो और वीवो के स्मार्टफोन पर तगड़ा डिस्काउंट मिलेगा। प्लस और ब्लैक मेंबर के लिए सेल 24 घंटे पहले यानी 8 तारीख को शुरू हो जाएगी। सेल शुरू होने से पहले ही ऑफर लाइव हो गए हैं। आईफोन 17 को सेल के दौरान 71,900 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, आईफोन 16 फोन 58,900 रुपये में मिलेगा। Moto Edge 60 Pro फोन सेल में 36,999 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, Samsung Galaxy S25 FE सेल में 43,999 रुपये में मिलेगा।

इन आईफोन्स पर गजब ऑफर: फ्लिपकार्ट सेल में iPhone 16e को 55,900 रुपये में खरीद पाएंगे। वहीं, iPhone 17e फोन 60,900 रुपये में मिलेगा। iPhone 16 Plus सेल में 73,900 रुपये में खरीद पाएंगे। आईफोन 17 सेल में 71,900 रुपये और आईफोन 16 फोन 58,900 रुपये में मिलेगा।?

**सैमसंग के लेटेस्ट फोन पर भी छूट:** सैमसंग के फोन्स पर भी तगड़ा डिस्काउंट होगा। Samsung Galaxy S25 सेल में 53,999 रुपये का मिलेगा।

Samsung Galaxy S26 Itra फोन सेल में 1,30,999 रुपये में खरीद पाएंगे। इसके अलावा, Galaxy A57 फोन को 49,999 रुपये में खरीदा जा सकेगा। ?

मोटोरोला के फोन्स: Motorola edge 60 Fusion सेल में 19,999 रुपये का मिलेगा। सेल में Moto Edge 60 Pro फोन 27,999 रुपये की शुरुआती कीमत में खरीद पाएंगे।

साथ ही, Motorola Edge 70 सेल में 27,999 रुपये का मिलेगा।अन्य फोन्स पर ऑफर्स: Realme GT 7T को सेल में 29,499 रुपये में। Google 10A फोन 44,999 रुपये में मिलेगा। Oppo Reno 14 5G फोन को सेल में 36,999 रुपये में खरीदने का मौका मिलेगा।

अजब - गजब

# अफ्रीका के बीहड़ में खुला ब्यूटी पार्लर, बिना कैंची के गर्म खपड़े से बना डाला हेयरस्टाइल!

**सोशल** मीडिया इन दिनों अनोखे और हैरतअंगेज वीडियोज से भरा पड़ा है। हाल ही में अफ्रीका के एक बीहड़ इलाके का एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ है जो देखकर हर कोई हैरान रह गया। यहां ब्यूटी पार्लर तो खुला है, लेकिन आधुनिक औजारों का नामोनिशान नहीं है। एक महिला दूसरे महिला के बाल काट रही है और वो भी बिना कैंची के।

वायरल वीडियो में दीखता है कि बाल काटने के लिए इस्तेमाल हो रहा है आग में गर्म किया गया मिट्टी का खपड़ा। दूर-दराज के गांव में खुले आसमान के नीचे महिला क्लाइंट को बैठाकर उसके बाल संवार रही है। उसने सबसे पहले मिट्टी के टूटे हुए खपड़ों को आग पर अच्छे से गर्म कर लिया। फिर गर्म खपड़े को बालों के बीच में फेरते हुए सावधानी से उसे शेप देने लगी। गर्म सतह बालों को आसानी से काट रही थी और आश्चर्यजनक रूप से साफ हेयरस्टाइल बन रहा था।

इस हेयरस्टाइल के दौरान क्लाइंट चुपचाप बैठी पूरी प्रक्रिया एंजॉय कर रही थी। वीडियो देखकर यूजर्स कमेंट्स में लिख रहे हैं - 'आज के सैलून वाले फेल हो जाएंगे', 'गर्म खपड़ा देखकर रोंगटे खड़े हो गए', 'अफ्रीका की जुगाड़ वाली ब्यूटी टेक्नीक कमाल की है', 'कैंची की जरूरत ही नहीं'। वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों को अफ्रीकी गांवों की पारंपरिक जीवनशैली से रू-ब-रू करा रहा है। अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में आज भी आधुनिक सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। वहां की महिलाएं सदियों पुरानी पारंपरिक तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं। गर्म मिट्टी के खपड़े या पत्थरों से बाल काटना उनमें से एक है.। गर्म सतह बालों को बिना झटके काट देती है और साथ ही कुछ हद तक स्ट्रेट भी कर देती है। इससे सैलून जैसा लुक मिल जाता है। यह तरीका सिर्फ बाल काटने तक सीमित नहीं है, अफ्रीकी महिलाएं प्राकृतिक चीजों से हेयर केयर भी करती हैं। वे नारियल तेल, विभिन्न जड़ी-बूटियों और मिट्टी से हेयर मास्क बनाती हैं।

**आज भी हैं बेहद पिछड़े:** सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो को देखकर भारतीय जुगाड़ से भी तुलना कर रहे हैं। कई लोग लिख रहे हैं कि गांवों में आज भी दादी-नानी पुराने तरीकों से बाल संवारती हैं। एक यूजर ने कमेंट किया - 'हमारे यहां भी पहले कैंची नहीं होती थी, चाकू या तेज धार वाली चीजों से काम चलता था।' यह वीडियो ना सिर्फ एंटरटेनमेंट दे रहा है बल्कि सांस्कृतिक विविधता को भी दिखा रहा है। अफ्रीका के विभिन्न देशों जैसे केन्या, तंजानिया, घाना आदि के गांवों में ऐसी पारंपरिक ब्यूटी प्रैक्टिस आम है। जहां शहरों में हजारों रुपए खर्च करके हेयर कट कराया जाता है, वहीं इन गांवों में कुछ रुपए या सामान के बदले काम हो जाता है। वीडियो वायरल होने के बाद कई लोग इसकी लोकेशन जानने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ का कहना है कि यह पश्चिम अफ्रीका का कोई गांव हो सकता है।

## निशाना

### नैनों में आँसू भरे..!

कान्ति शुक्ला

जो परोक्ष में उठ रहा, मन में अन्तर्द्वन्द ।
गीत ग़ज़ल में ढ़ल रहा, बनते मधुरिम छंद।
संवेदन घट रिक्त अब , नहीं व्यापती पीर
पाहन काया कर गया, हो मानस स्वच्छंद।
नैनों में आँसू भरे,अधरों पर मुस्कान
मानस राग विराग युत, जकड़े माया फंद।
भाव मधुर वाणी मधुर, तो जीवन आदर्श
रहे हृदय शुचिता सदा, चित्त रहे निर्द्वन्द।
कण-कण में प्रभु रम रहे, अणु-अणु में आभास
कैसे भय संचार हो , कैसा अंतस द्वन्द।

## न्यूज विंडो

### कलेक्टर व एसपी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली पर लगाए रेडियम रिफ्लेक्टर

**नर्मदापुरम।** सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जिला प्रशासन ने प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत अभिनव कदम उठाया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरुवार को कृषि उपज मंडी नर्मदापुरम में उपार्जन कार्य में लगे ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, एसडीएम जय सोलंकी, तहसीलदार सरिता मालवीय सहित अधिकारी-जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे संकेतक न होने से हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन चालक इन्हें न देख पाते हैं, जिससे भयानक हादसे होते हैं। उपार्जन सीजन में मंडी में बड़ी संख्या में ये वाहन आ रहे हैं, इसलिए मंडी स्तर पर ही रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं। इससे वाहन दूर से दिखेंगे और दुर्घटनाएं रुकेंगी। प्रोजेक्ट सुरक्षा में पुलिस व कृषि विभाग का समन्वय है। कलेक्टर ने कहा कि इसमें सीपीआर प्रशिक्षण, हेलमेट जागरूकता व सीट बेल्ट अनिवार्यता पर जोर दिया जा रहा है। दोपहिया चालकों को हेलमेट न पहनने से मौत का खतरा बढ़ता है, इसलिए यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

### आंधी और बारिश से जनजीवन को प्रभावित, हजारों मीट्रिक टन गेहूं अब खराब होने की कगार पर

# खुले में रखा 15 हजार मीट्रिक टन अनाज भीग रहा, उठाव न होने से 42 करोड़ का भुगतान अटका

**छतरपुर। दोपहर मेट्रो**

जिले में इस वर्ष गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया किसानों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। परिवहन में बरती जा रही घोर लापरवाही के कारण उपार्जन केंद्रों पर अनाज की सुरक्षा भगवान भरोसे है। आंधी और बारिश ने न केवल जनजीवन को प्रभावित किया है, बल्कि केंद्रों पर खुले में पड़ा हजारों मीट्रिक टन गेहूं अब खराब होने की कगार पर पहुंच गया है। विभागीय सुस्ती का आलम यह है कि अनाज का उठाव समय पर न होने के कारण किसानों के भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी तरह ठप पड़ गई है।

जिले में संचालित 80 गेहूं खरीदी केंद्रों पर अब तक कुल 53009.41 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें से केवल 37,984.19 मीट्रिक टन गेहूं का ही परिवहन हो सका है। शेष 15,025.33 मीट्रिक टन गेहूं आज भी उपार्जन केंद्रों पर खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। बारिश की आशंका के बीच केंद्रों पर सुरक्षा के कोई पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे शासन को करोड़ों के नुकसान का डर सता रहा है।

परिवहन न होने का सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ा है। नियमानुसार परिवहन के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ती है, लेकिन उठाव न होने से भुगतान अटक गया है। अब तक 70 करोड़ 66 लाख रुपए की राशि भुगतान के लिए स्वीकृत की जा चुकी है। स्वीकृत राशि के विरुद्ध मात्र 27 करोड़ 80 लाख रुपए का ही भुगतान किसानों को मिल पाया है।शेष राशि गेहूं बेचने के बाद भी जिले के किसानों का लगभग 42 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान अब भी विभाग के पास लंबित है। इधर, समितियों के स्तर पर भी करीब 9 करोड़ 58 लाख रुपये के ईपीओ पेंडिंग पड़े हुए हैं।

#### 35 हजार में से केवल 11 हजार किसान ही पहुंचे केंद्रों पर

इस साल उपार्जन केंद्रों पर गेहूं बेचने वाले किसानों की संख्या में भी भारी गिरावट देखी गई है। जिले में कुल 35,141 किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराया था। इनमें से अब तक मात्र 11,297 किसान ही अपनी फसल लेकर केंद्रों पर पहुंचे हैं। करीब 23,844 पंजीकृत किसान अभी भी केंद्रों से नदारद हैं। जानकारों का मानना है कि इस बार गेहूं खरीदी देरी से शुरू हुई, जिसके कारण किसानों ने केंद्रों की अव्यवस्था और लंबी प्रक्रिया से बचने के लिए खुले बाजार में अपनी उपज बेचना ज्यादा उचित समझा।

## पुरानी रंजिश में रायपुर में खूनी संघर्ष, 10 लोग घायल

**मुरैना। दोपहर मेट्रो**

महुआ थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते मंगलवार सुबह हिंसक रूप ले लिया। गांव के मंदिर के पास दो पक्ष आमने-सामने आ गए और गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडे व पत्थर से एक दूसरे पर हमला कर दिया। हमले में दोनों पक्षों के 10 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं झगड़े के बाद गांव में तनाव का माहौल है, इसलिए पुलिस तैनात रही।

पुलिस के अनुसार, विवाद की जड़ पुरानी अदावत है। तीखी बहस के बाद मारपीट शुरू हुई। एक पक्ष के जैकी उर्फ जितेंद्र तोमर ने विरोधी पक्ष पर रास्ता रोकने, गाली-गलौज और हमला करने का आरोप लगाया। वहीं दूसरे पक्ष के जीतू उर्फ जितेंद्र तोमर ने भी मारपीट व लाठी से हमला करने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों के लोगों के सिर, हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति नियंत्रित की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायपुर गांव में दो पक्षों के बीच चली लाठियां व पथराव का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में बड़ी संख्या में दोनों तरफ से महिला पुरुषों की भीड़ पथराव करते नजर आ रही है। वहीं कुछ महिला पुरुष घायल अवस्था में दिखाई दे रहे हैं। रायपुर गांव में दो पक्षों के बीच चली लाठी व हुए पथराव के बाद तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। यहां तक गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। दो दिन से गांव में पुलिस इसलिए तैनात है कि विवाद फिर नहीं हो जाए क्योंकि दोनों ही पक्ष के लोग घायल हुए हैं, इसलिए आक्रोश अभी थमा नहीं हैं।

## होटल में प्रेमिका संग रंगीन था डॉक्टर पति अचानक पत्नी ने किया 'धप्पा', हुआ बवाल

**मंदसौर। दोपहर मेट्रो**

नगर में बुधवार-गुरूवार की रात एक होटल में हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। यहां बर्थडे के बहाने से घर निकले डॉक्टर पति को उसकी पत्नी ने प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। इस मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि परिवार सहित पत्नी ने होटल कमरे में धावा बोल दिया और पति से मारपीट भी की। मंदसौर में आधी रात को होटल में पति पत्नी ओर वो को लेकर हंगामा देखने को मिला। दरअसल, शहर के प्रैक्टिसिंग डॉक्टर जुल्फीकार शामगढ़ से मंदसौर नाहटा चौराहा स्थित समता होटल के एक कमरे पर में रुका हुआ था। वह यहां अपनी प्रेमिका के साथ ठहरा हुआ था। तभी आधी रात को कमरे के दरवाजे पर दस्तक हुई। डॉक्टर पति ने जैसे ही दरवाजा खोला उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। डॉक्टर के सामने उसकी पत्नी खड़ी हुई थी। यही नहीं, पत्नी अपने साथ परिजन भी साथ लाई थी। पत्नी जैसे पति को धक्का देकर कमरे में पहुंची उसके होश उड़ गए। कमरे के बिस्तर पर एक अन्य महिला बैठी हुई थी। यह देख पत्नी को इतना गुस्सा आया कि उसने सीधा पति की पिटाई करना शुरू कर दी। परिजनों में शामिल अन्य महिलाएं भी प्रेमिका के बाल पकड़कर उसे बेरहमी से पीटने लगे। परिजनों ने भी डॉक्टर को जमकर खरी-खोटी सुनाई। होटल के कमरे में काफी देर तक चीख-पुकार और बहस होती रही। शोर सुनकर होटल स्टाफ और आसपास के लोग भी जमा हो गए। चीख-पुकार सुन होटल के अन्य कमरों से भी लोग बाहर आकर देखने लगे। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया है।

डॉक्टर की पत्नी ने बताया कि पति बर्थडे के नाम पर घर से बाहर निकला था। वह अपनी कथित प्रेमिका के साथ एक होटल में ठहरने वाला है जिसकी भनक उसे पहले ही लग गई थी। पत्नी ने आरोप लगाया कि डॉक्टर उसे धोखे में रखकर लंबे समय से इस महिला से मिल रहा है। हालांकि, इस हंगामे के बाद डॉक्टर और उसकी पत्नी वहां से चले गए लेकिन इस पूरे बवाल का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बता दें कि, इस पूरे मामले में अभी तक पुलिस की दखल या किसी औपचारिक शिकायत की पुष्टि नहीं हुई है।

## जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे जिला पंचायत सदस्य

**खंडवा।** मीडिया ने जिला पंचायत की स्थाई समितियों के सभापतियों से जानकारी ली तो स्थाई समितियों की बैठक को लेकर कोई 10 माह तो किसी को पता ही नहीं की अंतिम बैठक कब हुई, यही नहीं महिला सदस्य ने कहा शिक्षा समिति की बैठक आज तक नहीं बुलाई गई। जिला पंचायत सदस्यों को जनता ने क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने चुनकर पंचायत की सदन में भेजा है। लेकिन सदस्य जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं। जनता को उम्मीद थी कि हमारे सदस्य गांव में समग्र विकास स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी, सड़क जैसे विकास कार्यों का ढांचा सुनिश्चित करेंगे। सरकारी योजनाओं को गांव तक पहुंचाएंगे। अधिकारियों से योजनाओं की क्रियान्वयन के लिए चर्चा करेंगे। लेकिन जब बैठकें ही एक-एक साल से नहीं हो रही है तो विकास कार्यों के क्रियान्वयन पर चर्चा क्या खाक करेंगे। जिला पंचायत की अधिकांश बैठकें हंगामा की भेंट चढ़ गईं हैं। कुछ बैठकों को छोड़ दे तो अधिकतर बैठकें सिर्फ खानापूर्ति तक सीमित रहीं। स्थाई समितियों की बैठकें तो भगवान भरोसे हैं। अधिकतर समितियों की बैठकें एक साल से नहीं हो रहीं हैं। जबकि नियम है कि स्थाई समितियों की बैठकें हर माह 15 तारीख को अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

## स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर खंड स्तरीय समीक्षा बैठक में की चर्चा

**गंजबासौदा।** जनपद सभा कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति को लेकर खंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार के निर्देशानुसार जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. हेमंत पंचोली एवं जिला प्रोग्राम मैनेजर द्वारा आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रमेन्द्र तिवारी, खंड विस्तार अधिकारी बी.एस. दांगी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर कपिल कांत जैन एवं बीसीएम सुश्री मधु रामपुरी सहित स्वास्थ्य विभाग के आशा सुपरवाइजर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कोल्ड चेन हैंडलर, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सीएचओ, सेक्टर सुपरवाइजर एवं आरबीएसके टीम के सदस्य उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, चार अनिवार्य जांचें, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन, संस्थागत प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, टीकाकरण, नवजात शिशुओं की एचबीएनसी जांच तथा ऑनलाइन रिपोर्टिंग एवं डाटा एंट्री की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिन कर्मचारियों एवं क्षेत्रों का कार्य लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाया गया, उन्हें शीघ्र लंबित कार्य पूर्ण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं समय पर ऑनलाइन रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

### नपाध्यक्ष और सीएमओ ने की जनसुनवाई

## पेंशन स्वीकृत होने पर खुश हुई दिव्यांग महिला

#### पेयजल समस्या का समाधान कराने इंजीनियर और ठेकेदार को किया तलब

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

जनसुनवाई में लगातार नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा करीब 15 से अधिक आवेदनों पर सुनवाई की गई। जिसमें अधिकांश आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की साथ ही जांच योग्य आवेदनों को संबंधित शाखा प्रभारी को दिए गए। पेंशन स्वीकृत होने पर वार्ड 16 की दिव्यांग महिला खुशी खुशी घर लौटी।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर लगातार जनसुनवाई की शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। करीब 15 से अधिक समस्याएं आई। जिसमें मृत्यु सर्टिफिकेट, दिव्यांग पेंशन, पीएम आवास हेतु आवेदन, पेयजल संबंधी, नाली निर्माण आदि के आवेदन आए। जिसमें से अधिकांश आवेदनों का तत्काल ही निराकरण कर दिया गया। जांच योग्य आवेदनों को संबंधित शाखा को भेजकर जल्द से जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान पार्षदगण, पार्षदप्रतिनिधिगण, एल्डरमेन, उपयंत्री आयुषी रिछारिया, दीक्षा तिवारी, रीना गुप्ता सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 16 की दिव्यांग महिला देवकी यादव द्वारा पहले आवेदन दिया गया था। लेकिन उसे पता नहीं था कि उसकी दिव्यांग पेंशन चालू हो गई है। आज जनसुनवाई में वह दिव्यांग पेंशन के लिए आवेदन लेकर आई तो उसकी जांच कराई गई। तब पता चला कि उसकी पेंशन चालू हो गई। यह जानकारी लगते ही देवकी यादव के खुशी से आंसू छलक पड़े और उन्होंने नपाध्यक्ष एवं सीएमओ को धन्यवाद दिया। जनसुनवाई में वार्ड 31 के पार्षद नरेंद्र पटेल द्वारा पेयजल समस्या के समाधान के लिए पाइप लाइन बिछाने का आवेदन दिया था, पाइप लाइन स्वीकृत भी हो चुकी थी। आज जनसुनवाई के दौरान पार्षद श्री पटेल द्वारा अपनी बात रखी गई जिस पर तत्काल प्रभाव से नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा ठेकेदार और इंजीनियर को तलब किया गया।

## अपना बकाया टैक्स जमा कर नगर विकास में योगदान दें

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

नगरपालिका परिसर में 9 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नागरिक अपने समस्त प्रकार के बकाया करों का एकमुश्त भुगतान कर नेशनल लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ ले सकेंगे। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगरपालिका परिसर कार्यालय में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियां जोरों पर चल रही है। वाहनों के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सीएमओ श्रीमती पटले द्वारा नागरिकों से आग्रह किया गया कि वे अपने समस्त प्रकार के बकाया करों का भुगतान कर नेशनल लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ लें। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि आपके द्वारा जमा किए गए करों के माध्यम से ही नगर विकास संभव हो पाता है। इसलिए नेशनल लोक अदालत का लाभ लें और अधिभार में छूट पाएं।

**मेट्रो एंकर** धार वन विभाग ने प्रदेश का पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया , 8800 मानव-घंटे बचाने का लक्ष्य

## कार्य होंगे तेज, सरल और स्मार्ट, डिजिटल सुशासन की दिशा में बड़ा कदम

**धार। दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश का धार वन मंडल अब तकनीकी आधुनिकता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया परिकल्पना और मुख्यमंत्री के ढ्ढ आधारित सुशासन के विजन को आगे बढ़ाते हुए धार वन विभाग ने प्रदेश का पहला "AI Fluency & Efficiency Enhancement Program" आयोजित किया। चार दिवसीय इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर राजीव रंजन मीणा एवं वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टी.आर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग के 40 कर्मचारियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यप्रणाली को अधिक तेज, सरल, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना था। प्रतिभागियों को आधुनिक AI टूल्स के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे दैनिक प्रशासनिक कार्यों को अधिक दक्षता के साथ कर सकें।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को ChatGPT, Google Gemini, Bhashini, Google Workspace, Gamma ÌÍæ Google AI Studio जैसे अत्याधुनिक AI प्लेटफॉर्म्स का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही शासकीय पत्राचार की ड्राफ्टिंग, फाइल नोटिंग, मीटिंग मिनट्स तैयार करना, डेटा विश्लेषण, एक्सेल ऑटोमेशन और रिपोर्ट निर्माण जैसे कार्यों का लाइव प्रैक्टिकल अभ्यास भी कराया गया। वन विभाग के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस AI पहल से प्रतिवर्ष लगभग 8800 मानव-घंटों की बचत होने की संभावना है। इससे अधिकारी और कर्मचारी अपना अधिक समय जनसुनवाई, वन संरक्षण और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान में दे सकेंगे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टी.आर. ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शासकीय कार्यप्रणाली की उत्पादकता बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन इसका उपयोग पूर्णतः सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

धार वन मंडल की यह पहल न केवल मध्यप्रदेश वन विभाग के लिए बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में ऐसे ढ्ढ आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विभागों में भी लागू किए जा सकते हैं, जिससे सरकारी कार्यप्रणाली अधिक स्मार्ट और नागरिक-केंद्रित बन सकेगी।

## न्यूज विंडो

# बिजली लाइन के टावर पर चढ़ा मानसिक विक्षिप्त, टीम ने उतारा

**तेंदूखेड़ा।** ग्राम खमरिया कलां में गुरुवार सुबह 7 बजे एक मानसिक विक्षिप्त युवक 765 केवी बिजली लाइन के टावर पर चढ़ गया। स्थानीय लोगों ने उसे टावर पर चढ़ते देखा तो रोकने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माना जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक युवक 765 केवी टावर में 100 फिट ऊपर चढ़ चुका था लेकिन युवक नीचे उतरने तैयार नहीं हुआ। इस दौरान लोगों की भीड़ देखकर युवक टावर के सबसे ऊपर लगभग 200 फीट ऊपर चढ़ गया है। तेज धूप में टॉवर पर बैठे युवक की पहचान विजय पिता शिवराज गौड़ 30 वर्ष निवासी नन्हे देवरी के रूप में हुई है सूचना मिलते ही राजस्व विभाग,पुलिस प्रशासन और बिजली के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और युवक को नीचे उतारने हेतु रेस्क्यू किया है दोपहर 3 बजे युवक को 765 केवी लाइन से पावर ग्रिड के अधिकारी कर्मचारियों ने सुरक्षित युवक का रेस्क्यू कर नीचे उतारा परिजनों की माने तो युवक पूर्व में भी इस तरह से टावर पर चढ़ चुका है। पूर्व में वर्ष 2024 में बुढ़ेला गांव के पास इसी लाइन पर चढ़ गया था लेकिन उस समय युवक 50 फीट ही चढ़ा था और रात 1 बजे उतरकर नीचे आ गया था।इस दौरान युवक करंट की चपेट में भी आ गया था जिसके कारण युवक का एक हाथ काट गया है। युवक सुबह 7 बजे टावर पर चढ़ा है और 10 बजे तक वह 100 फीट ऊंचे हिस्सा पर बैठा रहा है लेकिन लोगों की भीड़ को देखते हुए वह टावर पर 200 फीट ऊंचाई पर जाकर बैठ गया जिसके बाद तेंदूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने जबलपुर में 765 केवी लाइन के पावर ग्रेड अधिकारियों से संपर्क कर घटना की सूचना देकर लाइन को बंद कराया है और टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे नीचे उतारा।

### तेजगढ़ वन परिक्षेत्र में अवैध कटाई से वन संपदा को भारी नुकसान, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

# वन अमला नींद में... रात में वन चौकी के पीछे से माफिया काट ले गए सागौन के दर्जनों पेड़

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

उपवन मंडल के अंतर्गत आने वाले तेजगढ़ वन परिक्षेत्र में अवैध कटाई का सिलसिला लगातार जारी है। वन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम सागौन जैसे कीमती पेड़ों की कटाई कर वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ताजा मामला पूरा नगर से लगभग 7 किलोमीटर दूर दमोह मार्ग पर स्थित पाँजी वनचौकी क्षेत्र से सामने आया है, जहां बड़ी संख्या में सागौन के पेड़ों को काटकर तस्कर मौके से ले गए। इस घटना ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पाँजी चौकी क्षेत्र में करीब 40 से 50 सागौन के पेड़ों के ठूंठ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इन पेड़ों को तैयार होने में लगभग 10 वर्ष का समय लगा होगा। पेड़ों की अवैध कटाई से न केवल शासन को आर्थिक क्षति हुई है, बल्कि क्षेत्र की हरियाली और पर्यावरण संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे वन विभाग और वन माफियाओं की मिलीभगत की आशंका भी जताई जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि वन माफिया रात के अंधेरे में सक्रिय होकर जंगलों में लगातार अवैध कटाई कर रहे हैं, लेकिन विभागीय अमला कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। इससे पहले भी करमाली के जंगलों में अवैध कटाई के मामले सामने आ चुके हैं, जहां वन माफियाओं ने बड़ी मात्रा में पेड़ों की कटाई कर वन संपदा को नुकसान पहुंचाया था। बावजूद इसके विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए यह कटाई भी रात के अंधेरे में होना सामने आया है जिसकी वन अमले को भनक नहीं लग सकी

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही वन क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने, जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने और अवैध कटाई पर रोक लगाने के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाए। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र के जंगल तेजी से उजड़ते चले जाएंगे, जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी तेजगढ़ नीरज पांडे ने कहा कि वन अमला लगातार जंगलों की निगरानी और सुरक्षा में लगा हुआ है। इसके बावजूद यदि कहीं अवैध कटाई हुई है तो मामले मै मौके का निरीक्षण किया जाएगा और ड्यूटीरत कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं दमोह वन मंडल अधिकारी ईश्वर जलान्डे ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है और वे इसकी जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे मैं तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी से पूरे मामले को लेकर बात करता हूं

# भोपावर का शाखा डाकपाल 1.11 लाख लेकर फरार

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले की डाक विभाग की शाखाओं में कर्मचारियों के द्वारा की जा रही धोखाधडी के प्रकरण लगातार सामने आ रहे हैं, पिछले 8 महीनों में धार मुख्य ब्रांच और निसरपुर के बाद अब सरदारपुर तहसील की भोपावर शाखा में गबन का बड़ा मामला सामने आया है। यहां तेलंगाना निवासी शाखा डाकपाल उपभोक्ताओं की गाढ़ी कमाई के 1 लाख 11 हजार रुपए लेकर फरार हो गया है। राहत की बात यह हैं, कि डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इन मामलों को लेकर सतर्क हैं। विभाग द्वारा की गई आंतरिक जांच और ऑडिट के दौरान ही वित्तीय अनियमितताएं पकड़ में आईं। विभागीय जांच में पुष्टि हुई कि आरोपी

शाखा डाकपाल ने पद का दुरुपयोग करते हुए राशि का गबन किया है। गड़बड़ी उजागर होते ही विभाग ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। इस ताजा घटनाक्रम ने डाक विभाग की भर्ती आरोपी डाकपाल के खिलाफ धोखाधड़ी की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस की एक टीम आरोपी की तलाश में जुट गई है और तेलंगाना पुलिस से भी संपर्क साधा जा रहा है। दरअसल इंदौर डाक विभाग द्वारा एक पत्र सरदारपुर पुलिस को सौंपा है। उप संभागीय निरीक्षक मुकेश बोदडे ने पुलिस को बताया कि अनुसार 28 अक्टूबर 2025 को डाक पाल सरदारपुर द्वारा सूचित किया गया कि भोपावर शाखा डाक घर द्वारा 24 अक्टूबर से ही शाखा डाक घर भोपावर के डेली अकाउंट लेखा कार्यालय में नही भेजे जा रहे है। साथ ही बीपीएम(शाखा डाक पाल) बिना सुचना के अनुपस्थित है।

# सागर रिंग रोड, बायपास का कार्य शीघ्रता से करें: डिप्टी सीएम

**सागर। दोपहर मेट्रो**

जिले के समग्र विकास के लिए सभी समन्वयक रूप से प्रयास करें। जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कराएं। सागर रिंग रोड, बायपास का कार्य शीघ्रता से करें, साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू करें। मध्यप्रदेश सरकार समग्र विकास के लिए संकल्पित है। यह बात उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में व्यक्त किए। बैठक में

विधायक एवं पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने ब्लडबैंक की क्षमता बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। जिस पर उप मुख्यमंत्री द्वारा जिला चिकित्सालय से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज को ब्लड बैंक हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए एवं ब्लड बैंक को अत्यधिक सर्व सुविधायुक्त बनाने के साथ ही ब्लडबैंक की प्रारंभ में 2000 यूनिट और भविष्य में 5000 यूनिट तक बढ़ाने के संबंध में

कार्य योजना बनाने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि संभाग वासियों के हित के दृष्टिगत इस ब्लड बैंक में अत्याधुनिक सुविधाओं जैसे एएनटी टेस्टिंग, प्लाजमा थेरेपी , सिंगल डोनर आदि सभी प्रकार के कार्य किये जा सकेंगे। सिंह ने कहा कि ब्लड स्टोर क्षमता बढ़ने से आवश्यकता वाले व्यक्तियों को आसानी से ब्लड मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं जहां 1500 से 2000 यूनिट रक्त एकत्रित होता है जिसको जिले से अन्यत्र भी भेजा जाता है जिससे जिलेवासियों को पूरा लाभ नहीं मिल पाता, क्षमता बढ़ने से जिलेवासियों को इसका लाभ मिल सकेगा। उप मुख्यमंत्री मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बैठक में निर्देश दिए कि सागर को आदर्श जिला बनाने के लिए सभी समन्वयक रूप से कार्य करें। स्मार्ट सिटी के माध्यम से सागर में अन्य शहरों की अपेक्षा बहुत अच्छे कार्य हुए है। जिससे सागर अपनी नयी पहचान बनाने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि सागर शहर को जोड़ने वाले रिंग रोड एवं भोपाल, जबलपुर, नरसिंहपुर को जोड़ने वाले वाईपास का कार्य शीघ्र गति से पूरा करें जिससे जिले वासियों के साथ अन्य व्यक्तियों को इसका लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि बीना रिफाईनरी के परिक्षेत्र में सड़कों का निरीक्षण करें एवं मरम्मत के लिए डीपीआर तैयार कराएं।

# मकान गणना की ड्यूटी कर रहे पटवारी को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

ग्राम सैलवाड़ा में मकान गणना सर्वे में पदस्थ पटवारी शैलेंद्र गौड़ 37 निवासी सिंग्रामपुर को सुबह 11 बजे 407 वाहन ने पीछे से टक्कर मारकर मौके से चालक वाहन लेकर भाग गया। पटवारी की हालत गंभीर बनी हुई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरआई करन सिंह ने बताया कि पटवारी शैलेंद्र गौड़ सैलवाड़ा में मकान सर्वे का कार्य कर रहे थे सडक किनारे खडे हुए थे उसी समय एक 407 जिसको पटवारी पहचानते हैं ने तेज गति से रिवर्स करते समय पीछे खडे पटवारी को टक्कर मार दी। पटवारी जमीन पर गिर सिर से खून बहने लगा। पटवारी के द्वारा अपने अधिकारियों को सूचना दी गई तुरंत ही नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी अपने स्टाफ के साथ सैलवाड़ा पहुंचे। घायल पटवारी शैलेंद्र को लेकर नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य आए जहां पर सिर में गंभीर चोट आने के चलते प्राथमिक उपचार के बाद पटवारी दिनेश प्यासी, शिव राय, समीर खान, सोनेलाल एवं अधिकारियों के साथ जबलपुर मेडीकल कालेज पहुंचे जहां पर पटवारी का इलाज जारी हैं।

# पुरानी रंजिश को लेकर की थी पत्थरबाजी, नौ आरोपियों पर गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले के टांडा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरानी में 30 अप्रैल की रात हुई दो युवकों की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने ने शुरुआती जांच और परिजनों के बयानों के आधार पर गांव के ही 9 लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जांच में यह भी पाया गया कि हादसा तब हुआ जब पत्थरबाजी से जान बचाकर भाग रहे युवकों की कार अंधेरे में एक बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरी थी।

पुलिस जांच के अनुसार घटना पुरानी रंजिश है। 30 अप्रैल की रात ग्राम पिपरानी में एक शादी समारोह के दौरान बंटू पिता वेरसिंह और आरोपियों के बीच पुराने झगड़े को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच पथराव होने लगा। अपनी जान बचाने के लिए बंटू अपने साथियों जगदीश, मडिया और

संतोष के साथ अर्टिगा कार में सवार होकर वहां से भागा। अंधेरे और हड़बड़ाहट के कारण झेतु नामक व्यक्ति के खेत में स्थित बिना मुंडेर वाले कुएं में उनकी कार जा गिरी। इस हादसे में संतोष निवासी धुंडकला, मंदसौर और मडिया निवासी कड़वाल, आलीराजपुर की डूबने से मौत हो गई, जबकि बंटू और जगदीश को ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। टांडा पुलिस ने मामले में दीपक पिता रमेश अनारे, मुकेश पिता मेहरसिंह, बबलू पिता प्यारसिंह, विनोद पिता केशरसिंह, थाऊसिंह पिता मगरसिंह, तोलसिंह पिता सुरसिंह, मोहब्बत पिता छगनीया, कालिया पिता पारसिंह और राकेश पिता मेहरसिंह सभी निवासी ग्राम तरसिंगा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। मृतकों के परिजनों और घायल बंटू अनारे ने पुलिस को बताया कि हमला अचानक हुआ था। उनके अनुसार, हमलावरों ने उन्हें कार से बाहर निकलने का मौका तक नहीं दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का यह भी कहना है कि करीब दो महीने पहले बैठने की बात को लेकर हुई मामूली कहासुनी ने इस खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। 30 अप्रैल को घटना के बाद एक मई को दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।


**भारतीय खेल प्राधिकरण**
**SPORTS AUTHORITY OF INDIA**
**भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA**
**खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS**
**(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)**
**(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)**
**(Human Resources Division -II) (मानव संसाधन प्रभाग -11)**
ईस्ट गेट संख्या-10, जे. एन. स्टेडियम परिसर, लोधी रोड, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110003
East Gate. No. 10, J N Stadium Complex, Lodhi Road, CGO Complex, New Delhi-110003
File No.: 01-04001(03)/2/2025-HO - Personnel Division/ 253 Date: 01-04-2026

CORRIGENDUM

**Sub: APPOINTMENT TO THE POST OF JUNIOR ENGINEER ON DEPUTATION BASIS IN SPORTS AUTHORITY OF INDIA REG EXTENSION IN CLOSING DATE FOR SUBMISSION OF APPLICATIONS BY 30 DAYS.**

SAI is an autonomous organization under the Ministry of Youth Affairs & Sports (MYAS) registered under the Societies Registration Act, 1860, invites application from eligible candidates for appointment to the post of Junior Engineer on deputation basis. In continuation to the advertisement of even number dated 25-02-2026, the closing date for submission of applications for the post of Junior Engineer is hereby extended by 30 days (i.e up to 10-05-2026) (05.00 PM). The remaining clauses stand valid. The application complete in all aspects should reach to the O/o" Director (HRD-II), Room No. 210 2nd Floor, Sports Authority of India, Jawaharlal Nehru Stadium (Gate-10), Lodhi Road, New Delhi-110003 on or before 10-05-2026 or on mail sai.persdiv.recruitment@gmail.com". The details and application form is available on website of the Ministry of Youth Affairs & Sports www.yas.nic.in and SAI i.e. www.sportsauthorityofindia.nic.in.

**DEPUTY DIRECTOR (HRD-II)**
**SPORTS AUTHORITY OF INDIA**
**HEAD OFFICE**
cbc47103/11/0010/2627



**कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल**
निविदा सूचना 02 वर्ष 2025-26 भोपाल, दिनांक 27/04/2026

**निविदा सूचना**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्र. | टेण्डर क्रमांक | कार्य का नाम | आमंत्रण क्र | ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2026_PWDRB_503384_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग के अंतर्गत चार इमली के विभिन्न आंतरिक मार्ग कुल लंबाई-10.00 कि.मी. में नवीनीकरण कार्य। | द्वितीय | 244.56 |
| 2 | 2026_PWDRB_503387_1 | मिलेट्री एरिया मुबारक भोपाल में वाउंड्रीवाल निर्माण, एक गार्ड रूम निर्माण एवं 02 वॉच टॉवर का निर्माण कार्य। | चतुर्थ | 399.86 |
| 3 | 2026_PWDRB_503388_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 1, के अंतर्गत डीएस-ए, डीएस-बी, डीएस-सी, डीएस-डी, डीएस-ई में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 95.00 |
| 4 | 2026_PWDRB_503389_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 1 के अंतर्गत डी-11/21 से डी-11/1, डी-1, डी-2 में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 95.00 |
| 5 | 2026_PWDRB_503390_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 1, के अंतर्गत ई-8/21 से ई-8/1 एवं ई-9/9 से ई-9/1 में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 99.00 |
| 6 | 2026_PWDRB_503392_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत डी-3/21 से डी-3/1 एवं डी-4/17 से डी-4/21 में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 90.00 |
| 7 | 2026_PWDRB_503393_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बी टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 85.00 |
| 8 | 2026_PWDRB_503394_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत सी एवं डी टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 85.00 |
| 9 | 2026_PWDRB_503397_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 3 के अंतर्गत बी-23 से बी-12 में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 90.00 |
| 10 | 2026_PWDRB_503398_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 3 के अंतर्गत डी टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 90.00 |
| 11 | 2026_PWDRB_503400_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 3 के अंतर्गत ईएन-1/27 से ईएन-1/1 एवं ईएन-2/30 से ईएन-2/1 में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 90.00 |
| 12 | 2026_PWDRB_503401_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 4 के अंतर्गत एफ-5 एवं एफ-6 टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 90.00 |
| 13 | 2026_PWDRB_503402_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 4 के अंतर्गत एफ-8 एवं एफ-9 टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य। | प्रथम | 90.00 |
| 14 | 2026_PWDRB_503403_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक-डी-4/16, बी-4, ई-8/29 में एम.ओ.डब्ल्यू. एवं उन्नयन कार्य। | प्रथम | 75.15 |
| 15 | 2026_PWDRB_503404_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक-डी-2/17, बी-13, बी-11 में एम.ओ.डब्ल्यू. एवं उन्नयन कार्य। | प्रथम | 82.39 |
| 16 | 2026_PWDRB_503405_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक-डी-2/15बी, बी-14, बी-2/16 में एम.ओ.डब्ल्यू. एवं उन्नयन कार्य। | प्रथम | 85.70 |
| 17 | 2026_PWDRB_503408_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक-सी-2/4, सी-2/10, बी-12 में एम.ओ.डब्ल्यू. एवं उन्नयन कार्य। | प्रथम | 72.10 |
| 18 | 2026_PWDRB_503410_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक-डी-2/3, डी-2/25, डी-2/6 में एम.ओ.डब्ल्यू. एवं उन्नयन कार्य। | प्रथम | 69.50 |
| 19 | 2026_PWDRB_503411_1 | सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग भोपाल के चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक-सी-2/20, डी-4/6, ई-8/31 में एम.ओ.डब्ल्यू. एवं उन्नयन कार्य। | प्रथम | 64.75 |

उपरोक्त वेबसाइट आनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 18/05/2026 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-12566/26 लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2 भोपाल


## मेट्रो एंकर

### आईपीएस स्कूल एवं यूसीमास उमरिया के बच्चों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

# उमरिया कलेक्टर ने विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित, 2 रनरअप और 8 मेरिट ट्रॉफी हासिल

**उमरिया। दोपहर मेट्रो**

21वीं राज्य स्तरीय यूसीमास अबेकस एंड मेंटल अरिथमेटिक प्रतियोगिता में उमरिया के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम पूरे मध्यप्रदेश में गौरवान्वित किया। 2 मई को इंदौर में आयोजित इस प्रतियोगिता में 6000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जहां बच्चों को मात्र 8 मिनट में 200 गणनाएँ हल करनी थीं। प्रतियोगिता में जोड़, घटाव, गुणा और भाग से संबंधित कठिन प्रश्न शामिल थे, जिन्हें उमरिया के बच्चों ने तेज गति और आत्मविश्वास के साथ हल कर सफलता प्राप्त की।

7 मई 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार उमरिया में आयोजित सम्मान समारोह में उमरिया कलेक्टर राखी सहाय द्वारा विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उमरिया जिले के हर्ष गुप्ता एवं ध्रुव मार्को ने फिफ्थ रनरअप ट्रॉफी प्राप्त की। वहीं अनाइजा मंसूरी, भाव्या पांडे, देवेश भागदेव, अंश कुमार यादव, शशांक सोनी, अनुभव द्विवेदी, युवांस सिंह एवं अविचल गुप्ता ने

मेरिट ट्रॉफी हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया। इसके अतिरिक्त मान्या सिंह, आकर्षा बान्सोड, सर्वस्व चौधरी, अव्या जैन, आराध्या सिंह धुर्वे एवं वर्चस्व चौधरी ने कॉन्सोलेशन ट्रॉफी अपने नाम की। आई.पी.एस. एकेडमी उमरिया एवं यूसीमास उमरिया सेंटर के डायरेक्टर इंजीनियर वसीम अकरम ने बच्चों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर राखी सहाय ने अपने संबोधन में कहा कि इतनी कम उम्र में बच्चे राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उमरिया जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो अत्यंत गर्व की बात है। उन्होंने सभी विजेता विद्यार्थियों, अभिभावकों और संस्था को शुभकामनाएँ दीं।

आईपीएस स्कूल की प्राचार्य आरजू खान ने बताया कि यूसीमास कार्यक्रम बच्चों के संपूर्ण बौद्धिक विकास हेतु संचालित किया जाता है। प्रतियोगिता से पहले बच्चों ने लगातार तीन माह तक कठिन अभ्यास किया, जिससे उनकी मानसिक क्षमता, एकाग्रता एवं तेज गणना कौशल का विकास हुआ। पिछले 13 वर्षों से आईपीएस स्कूल उमरिया एवं यूसीमास उमरिया सेंटर राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित करते आ रहे हैं। इस वर्ष के परिणामों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि छोटे शहरों के बच्चे भी बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं।

### इस महीने के अंत में पाकिस्तान का करना है दौरा, शेड्यूल जारी

# अब आईपीएल प्लेऑफ नहीं खेलेंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

**नईदिल्ली, एजेंसी**

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 23 मई को तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। आईपीएल टूर्नामेंट के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी। उस वक्त आईपीएल लीग स्टेज अपने अंजाम पर होगा, जबकि प्लेऑफ स्टेज चालू होने वाला होगा।

आईपीएल का आखिरी लीग मैच 24 मई को खेला जाएगा। इसके बाद 26 मई से प्लेऑफ स्टेज की शुरुआत होगी। वहीं, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दो और चार जून को दूसरा और तीसरा मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। तीनों मैच स्थानीय समय के अनुसार शाम साढ़े चार बजे शुरू होंगे। टॉस शाम चार बजे होगा। यानी पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया सीरीज आईपीएल 2026 के प्लेऑफ शेड्यूल से टकराएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकबज को बताया है कि वह अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान में होने वाली वनडे सीरीज के कारण आईपीएल बीच में छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में बने रहेंगे और अपनी सभी प्रतिबद्धताएं पूरी करेंगे। फिलहाल करीब एक दर्जन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया के

नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस और मिचेल मार्श शामिल हैं। भारत में मौजूद अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में ट्रेविस हेड, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस, कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क और मैथ्यू शॉर्ट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। क्रिकबज ने प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पसंदीदा मानी जा रही सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स की टीमों से भी संपर्क किया। दोनों फ्रेंचाइजियों के अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनके सभी खिलाड़ी, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी शामिल हैं, अपने अनुबंध का पूरी तरह सम्मान करेंगे और सीजन के बीच में टीम नहीं छोड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी अभी तक पाकिस्तान दौरे के लिए टीम का चयन नहीं किया है।

### ये खिलाड़ी सीरीज से रह सकते हैं दूर

पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड जैसे खिलाड़ियों को अगस्त में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज पर ध्यान देने के लिए आराम दिया जा सकता है, जबकि कूपर कोनोली, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस और मैथ्यू शॉर्ट को जून में बांग्लादेश में व्हाइट-बॉल सीरीज में खेलने के लिए कुछ ब्रेक दिया जा सकता है। एलेक्स कैरी, एडम जैम्पा और मार्नस लाबुशेन, जो हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में खेले थे, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हो सकते हैं। नाथन एलिस और मैथ्यू रेनशॉ भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बना सकते हैं। मार्च-अप्रैल 2022 के बाद वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का यह पहला पाकिस्तान दौरा है।

# पैट कमिंस को रोकने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का बड़ा दांव, करोड़ों की मेगा डील तैयार

**मेलबर्न, एजेंसी**

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बढ़ते दबदबे के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने स्टार खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेट से जोड़े रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस को करीब 12 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) की मेगा डील ऑफर की गई है, ताकि वह 2029 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को प्राथमिकता दें।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले साल एक आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) फ्रेंचाइजी ने पैट कमिंस और ट्रेविस हेड को करीब 10 मिलियन डॉलर का ऑफर दिया था। इस ऑफर का मकसद दोनों खिलाड़ियों को इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़कर फुल-टाइम फ्रेंचाइजी क्रिकेटर बनाना था। हालांकि, दोनों खिलाड़ियों ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया नहीं चाहता कि उसकी टीम भी वेस्टइंडीज जैसी स्थिति में पहुंचे, जहां कई स्टार खिलाड़ी फ्रेंचाइजी क्रिकेट की ओर चले गए और इंटरनेशनल टीम कमजोर पड़ती गई। इसी कारण बोर्ड अपने प्रमुख खिलाड़ियों को लंबी अवधि के हाई-वैल्यू कॉन्ट्रैक्ट देकर राष्ट्रीय टीम के साथ बनाए रखना चाहता है।

### हेड-लाबुशेन से भी बातचीत जारी

रिपोर्ट के मुताबिक, नई डील के तहत पैट कमिंस को अगले तीन वर्षों तक हर साल करीब 4 मिलियन डॉलर (27।36 करोड़ रुपये) मिल सकते हैं। सिर्फ कमिंस ही नहीं, बल्कि ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन के साथ भी इसी तरह के समझौते पर बातचीत चल रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हेड ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसॉप ने कहा, इन खिलाड़ियों ने लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वे बेहतर भुगतान और लंबे समय की सुरक्षा के हकदार हैं।

अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया को 21 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऐसे में बोर्ड चाहता है कि उसके प्रमुख खिलाड़ी पूरी तरह फिट और उपलब्ध रहें। पैट कमिंस हाल ही में पीठ की चोट से उबर रहे हैं और टेस्ट कप्तान के रूप में बड़ी वापसी की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल पैट कमिंस और ट्रेविस हेड सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों ने टीम को पॉइंट्स टेबल में मजबूत स्थिति तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

अगर यह डील फाइनल होती है, तो पैट कमिंस भविष्य में बिग बैश लीग में कम ही नजर आ सकते हैं, क्योंकि बोर्ड उनके इंटरनेशनल वर्कलोड को प्राथमिकता देना चाहता है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट और इंटरनेशनल क्रिकेट के बीच बढ़ती खींचतान के दौर में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। पैट कमिंस को दिया गया यह मेगा ऑफर सिर्फ एक कॉन्ट्रैक्ट नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट की अहमियत बनाए रखने की बड़ी रणनीति भी मानी जा रही है।

# सूर्यवंशी हो जाएंगे 21 साल की उम्र में रिटायर!

### पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने की भविष्यवाणी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से तहलका मचाने वाले राजस्थान रॉयल्स के तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब दुनियाभर के क्रिकेट दिग्गजों की चर्चा का बड़ा विषय बन चुके हैं. महज 15 साल की उम्र में जिस तरह वैभव बड़े-बड़े गेंदबाजों पर हमला बोल रहे हैं, उसे देखकर पूर्व क्रिकेटर हैरान हैं। अब इंग्लैंड के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने उनके भविष्य को लेकर मजाकिया अंदाज में बड़ी भविष्यवाणी कर दी है।

'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन, फिल टफनेल और एलिस्टेयर कुक और डेविड लॉयड आईपीएल और वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा कर रहे थे। बातचीत के दौरान वॉन ने वैभव के रिकॉर्ड्स का जिक्र करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इस खिलाड़ी ने असाधारण प्रदर्शन किया है।

माइकल वॉन ने कहा कि आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक अभी क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 30 गेंदों में सेंचुरी

लगाई थी, जबकि वैभव 35 गेंदों में शतक ठोक चुके हैं। वॉन ने यह भी बताया कि किसी एक आईपीएल सीजन में भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2024 में 42 छक्के लगाए थे, जबकि वैभव इस सीजन में 37 छक्के जड़ चुके हैं।

इसके बाद एलिस्टेयर कुक ने वैभव की कीमत और भविष्य को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें बेहद कम उम्र में साइन किया था, लेकिन अगले ऑक्शन में उनकी कीमत कितनी होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। कुक ने मजाक में कहा कि अगर वैभव खुद दोबारा ऑक्शन में जाने की इच्छा जता दें तो क्या होगा?

### टीम इंडिया के लिए खेलेंगे वैभव

माइकल वॉन ने साफ कहा कि राजस्थान रॉयल्स इतनी आसानी से वैभव को रिलीज नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वैभव जल्द ही भारत की सीनियर टीम में जगह बना सकते हैं और आयरलैंड दौरे पर उन्हें मौका मिलना चाहिए। इसी दौरान फिल टफनेल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जिस तेजी से वैभव आगे बढ़ रहे हैं, वह 21 साल की उम्र तक बर्नआउट हो सकते हैं। टफनेल के इस बयान पर माइकल वॉन ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि तब तक वैभव के पास इतना पैसा होगा कि वह आराम से रिटायरमेंट ले सकेंगे। वैभव सूर्यवंशी को लेकर यह चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। बर्नआउट लंबे समय तक काम के तनाव के कारण होने वाली शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक थकावट की स्थिति होती है।

### प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए कैपिटल्स की जीत जरूरी

# आईपीएल में आज दिल्ली और कोलकाता की भिड़ंत

**नईदिल्ली, एजेंसी**

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा।

दिल्ली के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। टीम 10 मैचों में 8 पॉइंट्स के साथ सातवें नंबर पर है। प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं, आठवें नंबर पर मौजूद केकेआर को अगले दौर में पहुंचने के लिए अपने सभी पांच मैच जीतने होंगे। दोनों टीमों के बीच अब तक 34 मैच खेले गए हैं। डीसी ने 14 और केकेआर ने 19 मैच जीते हैं। एक मैच टाई रहा, जिसे डीसी ने जीता। पिछले सीजन में दोनों के बीच खेले गए मुकाबले में कोलकाता जीता था।

दिल्ली का मैनेजमेंट अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित है। पिछले मैचों में जब भी पिच से गेंदबाजों को मदद मिली, दिल्ली का टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह ढह गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ टीम एक समय 9 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। गुजरात टाइटंस के राशिद खान और चेन्नई के स्पिनर्स के सामने भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए थे। ऐसे में टीम को लगता है कि सपाट पिच पर ही बल्लेबाज खुलकर रन बना पाएंगे। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने इस सीजन में 445 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 180 के करीब रहा है। वे टीम के टॉप रन स्कोरर हैं।

### कुलदीप यादव का खराब सीजन, पेसर्स भी लुटा रहे रन

दिल्ली की गेंदबाजी इस सीजन में सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई है। मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव अपने करियर के खराब दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ 7 विकेट लिए हैं और 10 से ज्यादा की इकॉनमी से रन दिए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, टी नटराजन और आकिब नबी डार का इकॉनमी रेट 11 से 13 के बीच है। कप्तान अक्षर पटेल (9 विकेट) को छोड़कर कोई भी गेंदबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका है। अक्षर टीम के टॉप विकेट टेकर हैं।

### केकेआर की ताकत स्पिन, लेकिन टॉप ऑर्डर सिरदर्द

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अच्छी बात यह है कि उनके स्पिनर्स लगातार विकेट निकाल रहे हैं। वरुण के नाम 10 और नरेन के नाम 9 विकेट हैं। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी की ओपनिंग जोड़ी टीम को उम्मीद के मुताबिक शुरुआत नहीं दे पा रही है। रिंकू सिंह को छोड़कर मिडिल ऑर्डर में भी निरंतरता की कमी रही है। चक्रवर्ती मैच जीतने के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी होगी। पिच पर आईपीएल के 101 मैच खेले गए हैं। इनमें 48 बार पहले बल्लेबाजी और 52 बार चेज करने वाली टीम जीती है। एक मैच रद्द हुआ। दिल्ली कैपिटल्स की टीम में केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स, नीतीश राणा, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन और समीर रिजवी रहेंगे।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

# 33 साल बड़े एक्टर संग उर्वशी का रोमांस, ट्रोल हुए एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण, सपोर्ट में उतरीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इंटरनेट पर किसी ना किसी कारण से छाई रहती हैं. पिछले साल उन्होंने कई ऐसे बयान दिए, जिसे सुनकर सोशल मीडिया पर लोग हैरान दिखे। वहीं उन्होंने तेलुगू सिनेमा की फिल्म डाकू महाराज में अपने रोल से भी सुर्खियां बटोरीं। उर्वशी, फिल्म के हीरो और दिग्गज कलाकार नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एक गाने दबिडी दिबिडी में दिखीं, जिसे काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

गाने में उर्वशी और नंदमुरी बालकृष्ण के डांस स्टेप्स देखकर लोगों का दिमाग हिल गया था। इसके अलावा एक्टर अपनी से आधी उम्र की हीरोइन के साथ रोमांस कर रहे थे। चूंकि नंदमुरी 65 साल के हैं, और उर्वशी 32 की हैं, इसलिए लोगों का गुस्सा और भी ज्यादा बढ़ गया था। अब उर्वशी ने अपने विवादित गाने और नंदमुरी बालकृष्ण के साथ काम करने पर पहली बार खुलकर बात की है। उर्वशी रौतेला का कहना है कि उन्हें नंदमुरी बालकृष्ण जैसे एक्टर के साथ काम करके काफी अच्छा महसूस हुआ। उनका ऑन सेट एक्सपीरियंस काफी शानदार था। वो खुद

को लकी मानती हैं कि उन्हें तेलुगू स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। रेडियो नशा संग बातचीत में उर्वशी ने अपनी कॉन्ट्रोवर्सी पर कहा- मुझे नहीं पता... कभी-कभी एक चीज से दूसरी चीज को उठा लिया जाता है, फिर तीसरी, चौथी... ऐसे ही चलता रहा। उनके (नंदमुरी बालकृष्ण) साथ काम करना तो कमाल का था, सचमुच मजा आया। अगर आपने फिल्म देखी हो तो हमारे एक्शन सीन भी देखना, वो तो बहुत जोरदार थे। उर्वशी ने आगे नंदमुरी बालकृष्ण के स्टाइल पर भी बात की। अक्सर एक्टर प्रीमियर या इवेंट्स में अपना फोन या माइक हवा में उछालते हुए नजर आते हैं। एक्ट्रेस ने उनके स्टाइल की सराहना करते हुए कहा है कि वो बालकृष्ण के ऐसे कई वीडियोज पहले देख चुकी हैं और उन्हें ये देखना बड़ा मजेदार लगता है। उर्वशी का दावा है कि नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस भी उनके स्टाइल को पसंद करते हैं। एक्ट्रेस ने आगे ये भी खुलासा किया कि पिछले साल नंदमुरी बालकृष्ण पहले इंसान थे जिन्होंने उन्हें वैलेंटाइन डे पर विश किया था। उर्वशी ने एक्टर के व्यवहार पर कहा, वो बहुत बच्चे जैसे हैं, मस्ती करने वाले बहुत मजाकिया इंसान हैं। वो तो बहुत बड़े सुपरस्टार हैं, और उनमें काफी एनर्जी है।

# सरके चुनर... विवाद : संजय दत्त के बाद नोरा ने मांगी माफी बोलीं- भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था...

कन्नड़ मूवी केडी- द डेविल के गाने सरके चुनर... पर विवाद अभी तक नहीं थमा है। माफी और सफाई का सिलसिला अभी भी चल रहा है। नोरा फतेही राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के सामने पेश हुईं। अब इस मामले में नया अपडेट सामने आया है। एक्ट्रेस ने सुनवाई के दौरान इस आइटम सॉन्ग को करने के लिए आयोग को लिखित में माफीनामा दिया। नोरा ने बताया कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उनका कोई इरादा नहीं था। एक्ट्रेस ने बताया कि मैंने कमिशन के पास अपनी माफी सब्मिट कराई

है। एक आर्टिस्ट होने के नाते मुझे जिम्मेदार होना पड़ेगा। मैंने कुछ अनाथ लड़कियों की पढ़ाई को स्पॉन्सर करने का फैसला किया है। इससे पहले 27 अप्रैल को संजय दत्त महिला आयोग के सामने पेश हुए थे। एक्टर ने भी अश्लील गाने में काम करने को लेकर माफी मांगी थी। संजय ने 50 आदिवासी लड़कियों को पढ़ाने का फैसला किया था।

**अश्लील बोल पर नोरा का सजेस्टिव डांस :** ये कंट्रोवर्सियल गाना नोरा फतेही और सजंय दत्त पर फिल्माया गया था। विवाद तब हुआ जब गाने का हिंदी वर्जन रिलीज किया गया। 16 मार्च को जैसे ही ये गाना आया, इंटरनेट पर भूचाल मच गया था। गाने के भद्दे और अश्लील लिरिक्स पर नोरा का फूहड़ डांस लोगों को हैरान कर गया था। इस गाने और मेकर्स को तो ट्रोल किया ही गया। पब्लिक ने नोरा और संजय की भी जमकर क्लास लगाई। यूजर्स ने गाने को पोर्न का टैग दे दिया था। नोरा की क्रेडिबिलिटी पर भी सवाल उठे। यूजर्स ने कहा- कैसे महिला होने के नाते नोरा ऐसा गाना कर सकती हैं। जिसमें महिलाओं को ही ऑब्जेक्टिफाई किया गया हो। सरके चुनर गाने को पब्लिक की ट्रोलिंग के बाद यूट्यूब से हटा लिया गया था। नोरा ने सफाई देते हुए कहा था कि मेकर्स ने उन्हें बताए बिना गाने का हिंदी वर्जन रिलीज किया है।

## मेट्रो बाजार

**नईदिल्ली, एजेंसी**

# वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए सबसे अच्छे अवसर मौजूद : वॉलमार्ट प्रेसिडेंट

वॉलमार्ट के प्रेसिडेंट और सीईओ जॉन फर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत में व्यापार के लिए सबसे अच्छे अवसर मौजूद हैं। साथ ही, कहा कि कंपनी भारत से 40 अरब डॉलर से अधिक का सामान खरीद रही है। फर्नेर ने कहा कि कंपनी उद्यमियों और आपूर्तिकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने, अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि अधिक से अधिक भारतीय व्यवसाय निर्यात के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने यहां वॉलमार्ट ग्रोथ समिट-इंडिया 2026 के दूसरे संस्करण के दौरान कहा, यह प्रयास आर्थिक अवसरों का विस्तार कर रहा है और भारत में इनोवेटिव व्यवसायों को दुनिया भर के ग्राहकों से जोड़ रहा है। वॉलमार्ट के वृद्धि आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम ने घोषणा की है कि 2019 में शुरू होने के बाद से इसने देशभर में 115,000 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रशिक्षित किया है, जिससे उन्हें डिजिटल क्षमताएं, महत्वपूर्ण व्यावसायिक कौशल और नए बाजारों तक पहुंच प्राप्त हुई है। 2028 तक कुल 170,000 एमएसएमई को समर्थन देने की योजना के साथ, यह कार्यक्रम उन एमएसएमई की संख्या को लगातार बढ़ा रहा है जो नए बाजारों में निर्यात करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। इस कार्यक्रम में, वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट के प्रमुखों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारतीय व्यवसायों की बढ़ती भूमिका और स्थानीय साझेदारी को मजबूत करने और क्षमता निर्माण प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे प्रौद्योगिकी और डिजिटल वाणिज्य भारत भर में लाखों छोटे व्यवसायों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए अवसरों के द्वार खोल सकते हैं।

# भारत एआई के चलते टेक्नोलॉजी पर खर्च में अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देगा: रिपोर्ट

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारतीय कंपनियों के टेक्नोलॉजी पर खर्च में 2026 में करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, इसमें से 40-45 प्रतिशत एआई और टेक ट्रांसफॉरमेशन से जुड़ा होने की उम्मीद है। यह जानकारी जारी रिपोर्ट में दी गई। बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आईटी खर्च में वृद्धि वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के लिए अनुमानित 4-6 प्रतिशत वृद्धि से कहीं अधिक रहने की उम्मीद है। पिछले 12-18 महीनों में खर्च में तेजी आई है और अगले 2-3 वर्षों तक यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जो संरचनात्मक रूप से मजबूत निवेश चक्र को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय उद्यम अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा दीर्घकालिक क्षमता निर्माण, विशेष रूप से एआई प्लेटफॉर्म और डेटा आधुनिकीकरण के लिए आवंटित कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी बजट का 50-60 प्रतिशत पूंजीगत व्यय होता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 20-30 प्रतिशत है। भारतीय कंपनियों के पूंजीगत व्यय का 30 प्रतिशत हिस्सा एआई प्लेटफॉर्म और डेटा आधुनिकीकरण पर खर्च किया गया। आधुनिकीकरण (25 प्रतिशत), क्लाउड और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर (25 प्रतिशत) और साइबर सुरक्षा (20 प्रतिशत) प्रमुख है, जो मूलभूत क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है।

# केदारनाथ यात्रा पर मौसम का कहर

## बारिश और बर्फबारी के कारण पड़ावों पर रोके 5000 यात्री

*रुद्रप्रयाग। भारी वर्षा व बर्फबारी केदारनाथ यात्रा की राह में चुनौती बनती जा रही है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने गुरुवार दोपहर बाद केदारनाथ जाने वाले और वहां से लौट रहे पांच हजार से अधिक यात्रियों को गौरीकुंड व सोनप्रयाग समेत पैदल मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर रोक दिया इसके अलावा दोपहर बाद धाम के लिए हेली सेवा का संचालन भी नहीं हुआ। हालांकि, गुरुवार को 17 हजार 500 यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। वहीं, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा सुचारु है। प्रशासन की ओर से केदारनाथ यात्रा मार्ग से जुड़े सभी सेक्टर प्रभारियों, नोडल अधिकारियों व पुलिस-प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यात्रियों को संवेदनशील और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में आगे न बढ़ने दिया जाए। उन्हें निकटतम सुरक्षित स्थानों और होल्डिंग एरिया में ठहराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।मौसम सामान्य होने पर ही यात्रियों को आगे जाने की अनुमति दी जाए। सोनप्रयाग और गौरीकुंड में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसके अलावा यात्रा मार्ग की लगातार निगरानी रखने, यात्रियों को आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला आपदा परिचालन केंद्र को देने के लिए कहा गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है वे मौसम संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें।*

## न्यूज विंडो

### जज ने एलन मस्क को लगाई फटकार; कहा- याद रहे, आप वकील नहीं

**वॉशिंगटन।** ओपनएआई मुकदमे में अदालत ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को कड़ी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान मस्क ने खुद कानूनी दलील देने की कोशिश की। इस पर कैलिफोर्निया की संघीय अदालत की जज इवॉन गोंजालेज रोजर्स ने कहा कि यहां उनकी नहीं, कोर्ट की चलेगी। जज ने सख्त लहजे में कहा कि अदालत की कार्यवाही ऐसे नहीं चलती। सबको याद रहे कि आप वकील नहीं हैं। बीबीसी के अनुसार, ओपनएआई के सह-संस्थापक एलन मस्क ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन पर चैरिटेबल ट्रस्ट के उल्लंघन और अनुचित आर्थिक लाभ हासिल करने का आरोप लगाया है। ओपनएआई का दावा है कि मस्क यह लड़ाई अपनी एआई कंपनी एक्सएआई को फायदा पहुंचाने के लिए लड़ रहे हैं। मस्क ने बाद में माना कि जज की बात सही है।जज रोजर्स ने कोर्ट के भीतर ही नहीं, बल्कि बाहर मस्क की गतिविधियों पर भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने सोशल एक्स पर टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई। मस्क ने एक्स पर ऑल्टमैन को स्कैम ऑल्टमैन कह निशाना बनाया था।

### नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु के लिए उड़ेगी पहली फ्लाइट, खोला बुकिंग पोर्टल

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून 2026 से कमर्शियल उड़ान सेवाएं शुरू होने जा रही हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने एयरपोर्ट से संचालित होने वाली उड़ानों का टाइम शेड्यूल जारी कर दिया है और टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी है।एयरपोर्ट से पहली विशेष उद्घाटन उड़ानें 15 जून को संचालित होंगी। इनमें लखनऊ, बेंगलुरु और नोएडा के बीच कनेक्टिविटी दी जाएगी। इसके बाद 15 जून से हैदराबाद और अमृतसर के लिए नियमित दैनिक उड़ानें शुरू होंगी, जबकि 16 जून से जम्मू और बेंगलुरु रूट पर भी नियमित सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। इंडिगो द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार यात्रियों को सुबह से शाम तक विभिन्न शहरों के लिए सीधी उड़ान सुविधा मिलेगी।

### नोएडा हिंसा मामले की होगी मजिस्ट्रियल जांच, विशेष टीम गठित

**ग्रेटर नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर जिले में 13 अप्रैल को श्रमिकों के धरना-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं की मजिस्ट्रियल जांच होगी। इस मामले में पीठासीन अधिकारी विशेष न्यायालय एवं अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार को जांच अधिकारी नामित किया गया है।शासन ने पीड़ितों और आमजन से अपील की है कि वह घटना से जुड़े मौखिक, लिखित और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य 15 मई तक उपलब्ध करा दें।बता दें 13 अप्रैल को फेज-2 और सेक्टर-63 कोतवाली क्षेत्र में दो स्थानों पर श्रमिकों द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान कई जगहों पर हिंसक घटनाएं सामने आईं। जिससे कानून-व्यवस्था और लोक व्यवस्था प्रभावित हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था।प्रशासन द्वारा अब पूरे घटनाक्रम की विस्तृत मजिस्ट्रियल जांच कराई जाएगी। जांच के यह पता लगाया जाएगा कि हिंसक प्रदर्शन किन कारणों और परिस्थितियों में हुआ।अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और गहनता से की जाएगी, जिससे वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जा सके। अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी, दस्तावेज, वीडियो, ऑडियो या अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य उपलब्ध हैं, तो वे उन्हें जांच अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

### सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने लिखा लेख

# सोमनाथ केवल मंदिर नहीं हमारी सभ्यता का संकल्प

**नई दिल्ली, एजेंसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर को लेकर एक भावनात्मक और ऐतिहासिक लेख लिखा है, अपने लेख में पीएम मोदी ने कहा कि साल 2026 की शुरुआत में उन्हें सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। यह आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिसने मंदिर की शाश्वत और अटूट पहचान को दर्शाया।

**11 मई को फिर जाएंगे सोमनाथ:**
प्रधानमंत्री ने लिखा कि अब 11 मई को उन्हें एक बार फिर सोमनाथ जाने का अवसर मिल रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होगी। उन्होंने कहा कि वह उस ऐतिहासिक क्षण को फिर से जीने जा रहे हैं, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर का लोकार्पण किया था। पीएम मोदी ने इसे अपने लिए सौभाग्य की बात बताया कि छह महीनों के भीतर उन्हें सोमनाथ के इतिहास से जुड़े दो महत्वपूर्ण अवसरों का साक्षी बनने का मौका मिला।

### शास्त्रों और इतिहास का किया उल्लेख

अपने लेख में पीएम मोदी ने प्राचीन शास्त्रों का उल्लेख करते हुए लिखा कि 'प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्', यानी दिव्य प्रभास यानी सोमनाथ की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान मानी गई है। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को केवल दर्शन नहीं, बल्कि भारत की हजारों साल पुरानी सांस्कृतिक निरंतरता का भी अनुभव होता है।

### महान विभूतियों को किया याद

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ के इतिहास में योगदान देने वाली कई महान विभूतियों का उल्लेख किया। उन्होंने लकुलीश, सोम शर्मा, महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, अहिल्याबाई होल्कर और गायकवाड़ों सहित कई शासकों और संतों के योगदान को याद किया। पीएम मोदी ने वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे योद्धाओं के साहस और बलिदान का भी उल्लेख किया। लेख में प्रधानमंत्री ने बताया कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल सोमनाथ मंदिर की दुर्दशा से बेहद दुखी थे। उन्होंने 13 नवंबर 1947 को मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के इस आह्वान ने पूरे देश को नई ऊर्जा से भर दिया था।

### विक्ट्री-डे से पहले बढ़ाई गई सुरक्षा

# यूक्रेन ने सीजफायर तोड़ा रूस पर दागे सैकड़ों ड्रोन

**मास्को, एजेंसी**

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध एक बार फिर तेज होता दिख रहा है। रूस ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात यूक्रेन की ओर से दागे गए 347 ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मुताबिक, यह हमला 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाकर किया गया था। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लॉन्च किए थे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को समेत कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करना पड़ा। गुरुवार दिन में भी यूक्रेन की ओर से कई और ड्रोन भेजे गए, जिनमें कुछ मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इस हमले का असर राजधानी के हवाई यातायात पर भी पड़ा। मॉस्को के तीन बड़े एयरपोर्टरेमेत्येवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो से करीब 100 उड़ानें रद्द या देर से संचालित हुईं।

### विक्ट्री डे और एकतरफा युद्धविराम

यह तनाव ऐसे समय बढ़ा है जब रूस 9 मई को मनाए जाने वाले अपने सबसे अहम राष्ट्रीय आयोजन विक्ट्री डे की तैयारी कर रहा है। यह दिन दूसरे विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत जीत की याद में मनाया जाता है। रूस ने शुक्रवार और शनिवार के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी।

# पाक हैंडलर्स के संपर्क में थे संदिग्ध आतंकी, खातों में आती थी रकम

**लखनऊ।** बाराबंकी और गोरखपुर से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी पिछले पांच महीने से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। हैंडलर्स ने उनको रकम भी भेजी थी। इसका खुलासा एटीएस की जांच में हुआ है। जांच एजेंसी सोशल मीडिया से मिले सुबूतों की तस्दीक कर रही है। जल्द दोनों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देगी।

एसटीएस ने बाराबंकी के दानियाल अशरफ और कुशीनगर के कृष्णा मिश्रा को गिरफ्तार किया था। बुधवार को एटीएस ने खुलासा किया था कि दोनों पाकिस्तानी हैंडलर्स शहजाद भट्टी और आईएसआई एजेंट्स के संपर्क में थे।

उनके कहने पर वह रक्षा प्रतिष्ठानों समेत अन्य

### एटीएस की तफ्तीश में बड़ा खुलासा

तमाम प्रमुख व संवेदनशील स्थानों की रेकी कर रहे थे। वर्दीधारियों की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। एटीएस के मुताबिक आरोपियों खातों में पैसों का ट्रांजेक्शन मिले हैं।

### केंद्र के फैसले पर ओवैसी बोले- संविधान, भारत के लोगों से शुरू होता है

# जन-गण-मन और वंदे मातरम बराबर नहीं

**हैदराबाद, एजेंसी**

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार के उस फैसले पर आपत्ति जताई है, जिसमें वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह एक देवी की स्तुति है।

ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जन गण मन भारत और उसके लोगों का उत्सव मनाता है, किसी विशेष धर्म का नहीं। धर्म राष्ट्र नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि वंदे मातरम लिखने वाले बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन के प्रति

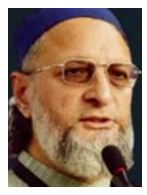

सहानुभूति रखते थे और मुसलमानों के प्रति नकारात्मक सोच रखते थे। ओवैसी ने दावा किया कि नेताजी बोस, गांधी, नेहरू और टैगोर ने भी इसे राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार नहीं किया था।

संविधान का हवाला देते हुए ओवैसी ने कहा कि प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है, न कि भारत माता के नाम से। उन्होंने कहा कि संविधान भारत को राज्यों का संघ बताता है और देश किसी देवी-देवता के नाम पर नहीं चलता।ओवैसी ने यह भी कहा कि संविधान सभा में प्रस्तावना को देवी या ईश्वर के नाम से शुरू करने और उसके नागरिकों की जगह उसकी प्रजा लिखने जैसे संशोधन प्रस्तावित किए गए थे, लेकिन उन्हें खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि भारत यानी भारत के लोग। राष्ट्र कोई देवी नहीं है और यह किसी एक देवी-देवता का नहीं है।

### मेट्रो एंकर

### 2014 के बाद बदली भारतीय राजनीति की तस्वीर

# देश में लगातार घट रही मुस्लिम विधायकों की संख्या

**नई दिल्ली, एजेंसी**

देश भर में राज्य के विधानसभाओं में मुस्लिम विधायकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। यह बदलाव साल 2014 के बाद से ज्यादा देखा जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो BJP के बढ़ते असर और विपक्ष की टिकट बांटने की बदलती रणनीति ने मिलकर विधानसभाओं में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को कम करने का काम किया है।

आंकड़ों से पता चलता है कि देश में मुस्लिम विधायकों की संख्या 2013 के 339 से घटकर 282 रह गई है। यह गिरावट उन राज्यों में सबसे ज्यादा रही है जो चुनावी नजरिए से सबसे ज्यादा अहमियत रखते हैं। इसमें सबसे पहला नाम उत्तर प्रदेश का है, जहां मुसलमानों की आबादी लगभग 19% है, वहां अब 403 सदस्यों वाले सदन में सिर्फ 31 मुस्लिम विधायक हैं, जो पहले 63 थे।

### बंगाल, बिहार सहित राजस्थान में घटी संख्या

पश्चिम बंगाल में यह संख्या 59 से घटकर 37 हो गई है, जबकि बिहार में यह आंकड़ा 19 से घटकर 11 और राजस्थान में 11 से घटकर 6 रह गया है। हालांकि यह सिर्फ BJP की बात नहीं है, देश भर के सभी पार्टियों में यही हाल है। कई राज्यों में तो कुछ पार्टियों ने बहुत कम मुस्लिम उम्मीदवारों के साथ बड़े जनादेश भी हासिल किए हैं।जिससे उसके प्रतिद्वंद्वियों को अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को व्यापक जाति और समुदाय के समीकरणों के साथ संतुलित करने पर मजबूर होना पड़ा है। बंगाल और असम (जहां BJP ने 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और 82 सीटें जीतीं) BJP ने वहां इस बार कोई भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा, जबकि 2021 में बंगाल में उसने नौ और असम में आठ मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे।

### असम में BJP ने अल्पसंख्यक इकाई को भंग किया

असम में BJP ने अपने सभी मुस्लिम उम्मीदवारों के चुनाव हारने के तुरंत बाद अपनी अल्पसंख्यक इकाई को भंग कर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर, BJP के पास केवल दो मुस्लिम विधायक हैं। मणिपुर से अचाब उद्दीन और त्रिपुरा से तफज्जुल हुसैन। यह अंतर बहुत ज्यादा है। बंगाल में, मुसलमानों की आबादी लगभग 27% है, लेकिन अब विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व केवल 12.6% है। बिहार में, उनकी आबादी लगभग 17% है, लेकिन उनके पास विधानसभा की लगभग 4.5% सीटें हैं। असम में, जहां मुसलमानों की आबादी कुल आबादी के एक-तिहाई से भी ज्यादा है, वहां विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व लगभग 17% है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में मुसलमानों की आबादी 10% से ज्यादा होने के बावजूद, विधानसभा में मुस्लिम विधायकों का प्रतिनिधित्व केवल 3-4% है।कांग्रेस के पास सबसे ज्यादा 61 मुस्लिम विधायक हैं, उसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास 39, और तृणमूल और समाजवादी पार्टी के पास 34-34 विधायक हैं। केरल, जम्मू और कश्मीर और तमिलनाडु ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों का प्रतिनिधित्व अब भी बेहतर स्थिति में है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564